

शशिमौलि ॥

जिसमें

श्रीमहादेव व पार्वती के व्याह चरित्र चित्तानन्दीय
शिवभक्तिसम्मिलित अनेक प्रकार के
रागों में वर्णित हैं

जिसको

बैंभनीपारग्राम निवासी कायस्थवंशावतंस शिवभक्तिरत श्री लखपतिराय ने श्री शिवपार्वती चरणाब्जभ्रमर पुरुषों के आनन्दार्थ अतिविपरिश्रम व भक्त्युद्गारता से निर्मित किया

प्रथम बार

लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेख़ाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥

भूमिका ॥

दो० बिघन हरण गणपतिसदा गुणनिधान बुधिराश ॥
भक्ति नेह अरु ज्ञानको निर्मल देहु प्रकाश १

विदितहो कि मैं.शिवसेवक लखमतिराय कायस्थ श्रीबास्तम वल्द दुर्गाप्रसाद बँभनीपारगाउँ का निवासीहूँ—संयोगवश मेरेपिता अपने नानाकेघर मौजेकाकोरीमें आकररहे—फिर मेरेपिताकाब्याह कस्बा मलिहाबादमें लालाहुकूमतराय व गुलाबरायके यहांहुआ—समयपाय तीनिपुत्र पैदाहुये—बड़ेपुत्र मेरेजेठेभ्राता रघुनाथप्रसाद और उनसे छोटा मैं और मुझ से छोटे माताप्रसाद—बहुतकाल में-शहरलखनऊ मुहल्ला मोलवीगंज में रहा और वहीं से महाराज काशीप्रसाद रियासत सँसेड़ी का नौकर होगया—फिर मैं सँसेड़ी में रहनेलगा—अक्सर मैंने गोसाइयोंके मुखसे बहुत बार शिवव्याहसुना परन्तु कुछभासित न हुआ तब चित्तमें अनुमान व शिवचरणारबिन्दों का ध्यान कर यह शिव पार्वती ब्याह अपनीमत्यनुसार अनेकप्रकारके रागोंमें वर्णनकिया और इसपुस्तकका नाम शशिमौलिरक्खा—आशा है कि जो शिवभक्ति रत पुरुष इस पुस्तक को अवलोकन करैंगे वहमेरीभूल चूकको क्षमाकर केवल अनुरागकी ओर दृष्टि देकर मुझको दोष न देंगे और आनन्दपूर्वक शिवपार्वतीचरित्र पठनपाठन कर—अन्त में कैलासवासभागी होंगे ॥

—*—

शशिमौलि ॥

—*—

दोहा ॥

विघनहरनमंगलकरनशुभगुणसदनउदार ॥
बन्दौंगणनायकचरण जो दायकफलचार १

पदराग ॥ जैगिरिजासुतविघनबिनासन। मंगलकरन अमंगलगंजन कुबुधिविभंजनसुबुधिप्रकासन॥ शुभगुणसदनमदनरिपुनंदन सबजगवंदनस्वबसबिलासन। विद्याछोभछकेचतुरानन साचकलखिमोहेगरुड़ासन॥ लंबोदरषटबदनसहोदर परमकृपामंदिरमुखकासन। मांगतबरशशिमौलिविनयकरि देहिंउमायुतदरशद्दषासन १ भजुशिवसुवनभवानीनंदन। लंबोदरमृदुमंजुलमूरतिचारुचतुरभुजविघननिकंदन॥ विद्यासागरशीलउजागरशुभगुणसदनसकलजगबंदन। सहजौध्यानधरतजोवाकोफिरिनपरतभवभ्रमकेफंदन॥ जाकोनामसुमिरिमंगलमय पाईसुमतिमहामतिमंदन। ताकीकरुशशिमौलिविनयतूमिलिजैहैंशिवसेवकवृंदन २ लंबोदरदुखहरनहमारे। सिद्धिसदनशतकोटिमदनद्युतिएकरदनगेजबदनसँवारे॥ सुखदतेजतनचारुचतुरभुजचरणाम्बुजरुजनाशनहारे। करुणानिधिविद्याबुधिवारिद

मोदकप्रियमुदमंगलकारे॥ षटमुखबंधुविमलवरदायक सबलायककहैंवेदपुकारे । गणनायकहरदाससहायकशै लसुतात्रिपुरारिदुलारे ३ ॥ राग ॥ मनभजुभवानीनंदनै। मानतजिधरिध्यानउरबिचश्रानुविघ्ननिकंदनै ॥ नाम जाकोसुमिरिसाचकभावसनकसनंदनै । होतिजबजहँ कथासुनिरबिरोकिराखतस्यंदनै ॥ करतिशुभसंहरनसं शयहरतभवभ्रमफंदनै । बिपतिनाहिंशशिमौलिताकहँ भजतजोजगबंदनै ४॥राग॥ हैगननायकविघनबिभंज न । एकरदनगजबदनमदनद्युतिमंगलसदनश्रमंगल गंजन॥ विद्याब्याहउपवीतस्थापनगृहप्रवेशश्ररुतीरथ मंजन । येसबकाजसुफलतबहींतोहिप्रथमनमतजोतव पदकंजन ॥ शिवपथगूढ़परैलखिताकहँसूझैशुभगुणमु निमनरंजन । जोशशिमौलिलगावतनैननतुवपदरज मृदुमंजुलश्रंजन ५ ॥ बंदनाश्रीगुरुदेवजी ॥ पदराग ॥ गुरु पदपंकजरेणुसोहाई। देनश्रखिलकल्यानपदारथमंगल करनहरनदुचिताई ॥ दृगनलगायेसूझतशुभगुणशीश चढ़ायेबढ़तबड़ाई । राखैरंचरुचिररसनाजोकंठबसैशा रदतेहिश्राई ॥ उरश्रंस्परसकरैजोकोईविद्याबुधिउपजै समुदाई । भुजदंडनधारैजोनिशिदिनहोइप्रबलप्राक्रम श्रधिकाई ॥ तेजप्रतापबढ़ैसुमिरतखनश्रवलोकतदृग दोषनशाई । ध्यरुशशिमौलिध्यानतेहिरजकोजोचाहैशि वभक्तिदृढ़ाई ६ जोकोउगुरुचरणनश्रनुरागै । गोपद तुल्यतरैभवसागरंतनकबिलंबनलागै ॥ होयउदयउर गगनज्ञानरबिमोहमहानिशिभागै । मिटिजावैश्रज्ञान

अँधेरोरजुभुवंगभ्रमत्यागै ॥ भ्रातासुतपरिवारप्रीतिर
समनकबहूंनहिंपागै । जगब्योहारस्वप्नवतजानैजनु
सोवततेजागै॥ अनहदसुखइच्छाफलजितनोएकौताहि
नखागै। प्रानायामआसनमुद्रापुनिउतरैत्रिकुटिप्रयागै ॥
गगनगुफापावैशिवदरशनप्रेमपलकमनठागै। जनशशि
मौलिसयानासज्जनभक्तिबिमलबरमांगै७गुरुपदपंकज
प्रीतिलगावौ। जिनकीकृपादेवदुर्लभसुखसहजउपायन
पावौ॥ देहनमेंनरदेहमिलैतोहिबरणनबीरकहावौ। आ
श्रममेंसंन्यासगहनिगहुशिवह्वैशिवपुरजावौ॥बैठोबिम
लबिटपमंडफतरशिवबनबागमभावौ। मुंडमालगजखा
लबिभूषणभालबिभूतिरमावौ॥ भूखप्यासआलसअन
खादिकदेहाभ्यासभुलावौ। सप्तसुरनशशिमौलिसोहंक
रिशृंगीनादबजावौ ८ गुरुमहिमापावैकोपार। शारद
शेषसकलसुरनरमुनिभाषैंज्योंज्योंबार॥ गणपतिसम
शुभगुणकोआगरहरिसमसतगुणसार। भानुसमानप्र
तापप्रगटजगशिवसमसहजउदार॥ ब्रह्मासमवेदनको
बकताशीतलशशिअनुहार। सुरपतिसमजनपरकरैदा
यानिरखतनयनहजार॥ धुंधसमानदीनकोदातानिर्मल
गुणआगार। मदनसमानमंत्रमूरतिसोबशाकियोसबसं
सार॥ बागेश्वरसमबिद्यावारिदमुनिसमसृष्टिअपार।
धन्वन्तरिसमज्ञानौषधिसोभवरुजनाशनहार॥ समता
योगनसुरकाहूबिधिबरन्यौकीब्योहार। जनशशिमौलि
सगुनेधारेतनहैअव्ययअविकार९॥ राग॥ बन्दौंगुरुचर
णारविन्द। हरसदशजाहिबरणैकबिन्द॥ इनगगनगु

फाकीन्हयोनिवास। उनवृन्दाबनकियोबिमलवास॥ इ-
नकीन्हसुजंनयमत्रासनास। उनकीन्हअभयसुरमहिमु
निन्द॥ अमतमहरनीइतिज्ञानधूप। उतअसुरपतितग
णादिव्यरूप॥ इतशिष्यकमलअरुरबिअनूप। उतग्वा
लउडुगबिचअमलइन्द॥ इतमंत्रनमोहेसाधसन्त। उ
तबांसुरिलोभेजीवजन्त॥ इनकाबूकियोइन्द्रीस्वतंत्र।
कियोनिजवशअवनिकालीफनिंद॥ दोउएकप्रकृतिए
कैस्वभाव। जनदीननपरसमतुल्यचाव॥ तातेतजिभे
दइरषादुराव। शशिमौलिकहैभजुगुरुगोबिंद१०॥ ध्या
नश्रीमहादेवजीका॥ परमात्मापरमक्षरं। सर्बात्मासर्बोपरं॥
करपूरगौरकलेवरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ योगीनहित
अजपाजपं। जनदीनहितसुरपादपं॥ करुणाउदारदि
गम्बरं। शिवशंकरंशिवशंकरं॥ ओंकाररूपउमावरं।
आधारजीवचराचरं॥ संसारसारअगोचरं। शिव०॥
बिश्वेश्वरंबिश्वम्भरं। बिधुशेषरंचरमाम्बरं॥ भुजगेंद्र
हारमनोहरं। शिव०॥ गिरिनाहषटमुखभैरवं। भूता-
दिअगणितशाम्भवं॥ यशुदारमन्तन्तांतरं। शिव०॥
राजैशकारवकारद्वै। पोषकजगतअनुहारद्वै॥ हृदयार
बिंदेमधुकरं। शिव०॥ जिमिअर्थबानिविवेकहै। जल
बीचिद्वंदरुएकहै॥ इमिभवभवानिपदउच्चरं। शिव०॥
हरदासअविनाशीअजा। अखिलेश्वरीजोशैलजा॥ स
हितंनमामिनिरंतरं। शिव०११॥ बन्दनाश्रीशिवकी॥राग॥
गिरिजापतिगतिकोजानै। जेहिश्रुतिकहिनेतिबखानै॥
लखिहरखिआजिनउरब्याला। षट्वांगबिभूतिकंपाला॥

तंत्रोपकरनइमिलीन्हे। ऋधिसिद्धिसुरनकोदीन्हे॥ गजैबाजिसिंहासनयाना। सुरबाहनबिबिधबिधाना॥ शिवरीझसबनसोंन्यारी। मनमानीबैलसवारी॥ यमयक्षबरुणगंधर्वा। नरनारिचराचरसर्वा॥ छिनमेंसबकोंसंहारन। गहेपर्शकहोकेहिकारन॥ बिधिबिष्णुअमरपुनिआना। पहिरेपटभूषणनाना॥ यहमतकहोकेहिअनुमाना। ओढ़ेगजचर्मचिराना॥ मुक्तामणिमाणिकस्वरना। भरेभवनअमितआभरना॥यहरुचिकहोकौनप्रकारा। कियेब्यालनकोशृंगारा॥ संन्यासब्रतीजेंसाधे। धरेदण्डकमंडलकाँधे॥यहकौनसोंनेमलियोहै।षट्वांगलियेसँगसोहै॥ सुरसंतसबैसबठोरी। लियेकेसरिमृगमदघोरी॥यहअचरजहैअतिभारी। दियेभस्मत्रिपुंड्रपुरारी॥ मनसंपुटपात्रसोहाये। सबदेवनकेमनभाये॥ यहभेदकहोकेहिभाँती। लियेमुंडत्रिपुरआराती॥ अद्वैअजअलखमहेशा। कहिपारनपावतशेशा॥ शशिमौलिहृदयसाबिचारा। शिवकीगतिअपरंपारा १२॥ राग॥ शंकरसुखसदनमदनमरदनत्रिपुरारी। शैलसुतारमनशमनसज्जनभैभारी॥ अरुणवरणचरणकरणकुंडलकृतब्याला। दारुणदुखहरणशरणसेवकप्रतिपाला॥ डमरूकरकमलअमलइन्दुसोहैशीशा। नितनयेयशकहतलहतपारनबागीशा॥ अतिहीचितमृदुलबिपुलशीलसरलभाऊ। तन्दुलशिरधरतकरतचक्रवर्तिराऊ॥ साधेशशिमौलिसकलसंयमव्रतनेमा। वांछितफलसुलभनहिंगिरिजापतिप्रेमा १३ अगुणंअलखअद्वैअभिरामा॥ अजअब्ययअनादिअवि

नाशीअविचलअनघअकामा ॥ बिश्वेश्वरबिद्याबुधिबा
रिद्लसतबाराणसिग्रामा । गेहज्ञानगणपतिपितुशंकर
गिरिजाजाकीबामा ॥ चिंतामणिचिंतितचिंताहरचेतन
चन्द्रललामा । दुराधर्षधरधीरधुरन्धरधर्मध्वजधनधा
मा ॥ सुखसागरसमरथसबलायकदायकजनबिश्रामा ।
सोइसहायशशिमौलिसबहिकोशिवशंकरजेहिनामा १४
देखौअद्भुतप्रातसमैशंकरछबि । समतामिलिनसकैका
हूबिधिढूंढ़िथकेसकुचेसगरेकबि ॥ नरशिरमालहदैनि
जराजतहालाहलकंलकंठरहोदबि । अतिशोभायमान
कटिऊपरनागनकीरहिनागंफनीफबि ॥ बैठेबाघम्बर
ओढ़ेशिवगिरिकैलासशिखरसुन्दरपबि । गिरिजासँ
गशशिमौलिमगनमनतेजनिरखिरथरोकिरहेरबि १५
कोबरनैशिवसुन्दरताई । कोटिनकामकांतिजेहिजोव
तिजातसदागरिलाजलजाई ॥ कालकूटकलकंठबिराज
तसाजतशोभासींवसोहाई । कुंभसमेतनीलमणिमानो
दलनदुसहद्युतिदेतदेखाई ॥ भ्राजतभस्मबिशदगौरी
तनसोसुखमाकछुकहिनहिंजाई । जनुकरपूरकनकमूरति
मृदुलसतमनोहरताअधिकाई ॥ बिमलव्यालकिंकि
णिकटिऊपरप्राबिशतशुचिलावण्यसदाई । मन्दरमध्य
बसतबासुकिज्योंमथनचहतछबिसिंधुसमाई ॥ सोहैश्या
मपदपृष्ठिअरुणतलउदितनखनद्युतिश्वेतप्रभाई । जनु
रबिसुताशारदासुरसरिकरतसदाशशिमौलिसहाई १६
शिवगिरिजागतिजानैसोई । शिवसज्जनअरुशिवपूज
नसोंएकौक्षणजोबिमुखनहोई ॥ संन्यासीमिलिजायज

हांकोनिजदुखदोषनराखैगोई। षोड़शभांतिकरैसेवकाई जाइसकलअघऔगुनखोई ॥ होइप्रसन्नमहाऋषिजा विधिसोईकाजकरैकरदोई। असकछुमंत्रमिलैतबतिनसौं जाइसकलसंशयभ्रमधोई ॥ सोतोहोइनिरद्वंदाफिरैफिरि उघरैगुप्तप्रगटजहँजोई। जनशशिमौलिउमाशंकरगति सोइजानैअरुजानैनकोई १७॥ जरिजानासतीजीकादक्षकी यज्ञमें॥राग॥पितुमखकीन्हदाहनदेह।सहिनसकिअपमान पतिकोपतिव्रताद्दढ़नेम॥ सतीसंगजोरहेशिवगणधीरबु धिबलग्रेह। लगेयज्ञविध्वंसकरनेभइमुंनिनसंदेह ॥ तुरत भृगुमुनिजटाफटक्योप्रगटभइयकनारि। कीन्हिरारिनि हारिगणतबचलेजहँत्रिपुरारि॥ शिवसाठोतीनितिनसों कह्योनारदजाइ। चलेतेसबशंभुसुनिपुनितुरतपहुँचेआ इ ॥ हँसतपूषादसनतिनकेलीन्हपाणिउखारि। खैंचिदा ढ़ीमूछभृगुकीलपकितवदियोडारि ॥ प्रसिद्धहरशिवनं दिगणपुनिदंडविधिवतबाटि। काटिदुरवासाजटागहि दक्षशिरलियोकाटि॥ प्रेमबशशशिमौलिद्दगजलप्रबल बरषतनेह। लीन्हशिवउरलायअतिहितसतीदाहन देह१८॥ जन्मश्रीपार्वती जीका॥राग॥प्रगटभईगिरिजामह रानी। संबतमासपक्षताराातिथिसमयसुमंगलखानी॥ अमितअखंडमंडलाकृतसमसुवनप्रथमदरशानी। ता मेंभईपुनिप्रगटश्यामतासोनसकैकहिबानी॥ तातेअंगुष्ठ प्रमाणभईपुनिजगमतिज्योतिलखानी। परमप्रकाशप रेपरमेश्वरिब्रह्मकहतजेहिज्ञानी॥ ताकेपुनिदोरूपद्दशि तभयेआंकृतिजातिनजानी। अर्द्धगईकैलासदिशाकहँ

अर्द्धरहीठहरानी ॥ अतिअद्भुतशशिमौलिकथातेहि शारदमतिसकुचानी। मतिअनुमानसुरनसंमतकरिक हिशिवशक्तिबखानी १५॥राग ॥सोजैजैजैमहरानी। प्रग टभईभवभारहरनहितहिमकीरजधानी ॥ लहकिउठीबे लीबागनकीरहीजेकुम्हिलानी। भूलेअलिफूलेकुवल यसरसरिताउमड़ानी ॥ बोलैखगडोलैपौनैशुचिशीत लतासानी। सुघरीशुचिउघरीशैलनमहँमणिगणकीखा नी ॥ संवतमासपक्षतारातिथिलगतीसुखदानी। दश हुदिशनउतपतिभइदीपतिदनुजनभयमानी ॥ बाजेशं खपणवदुंदुभिनभहरषेमुनिज्ञानी। नाकनटीनिरतैंगा वैंगुणमृदुमधुरीबानी ॥ सावित्रीविधिश्रीश्रीपतिपुनिसु रपतिइंद्रानी। वरषिसुमनकीन्हीबिनतीबहुजोरियुगल पानी॥ अष्टादशभुजवेषअलखलखिमातुविनयठानी। कारजकरनअकारनआद्यातुवगतिकेहिजानी ॥ दृगबि नलखतसुनतश्रवणनविननासाविनघ्रानी। मुखविन वचनस्वादरसनाविनहियविनहरषानी ॥ करविनकरम चलनचरननविनकटिविनठहरानी। मनविनमननचे तनचितबिनबुधिविनपहिंचानी ॥ अहंकारविनवस्तुज हांजोहैसबकीमानी। देहविनानिजनामरूपकरियहवि दितकियोआनी ॥ ऐसीजोसमरथसबलायकसबविधि विद्यानी। सोकिअदेहदेहधारौंनिजमोमतिसकुचानी ॥ मुनिवरविनयदिव्यमैनाकीमातामुसक्यानी। कीन्हच हैबहुचरिततुरततबमाबालपिटानी ॥ तजौवेगियहवेष निरखिमैंबहुतेअकुलानी। अतिप्रियमोहिंसुतालीला

सुखदेखिजोदुखहानी॥ लागीरोदनकरनकन्यांकैजननी हुलसानी। जेशशिमौलिअजाअखिलेश्वरिसुरमुनिकल्यानी२०प्रगटभईहिमशैलकुमारी।परमेश्वरिपरम्नतिपारायनिपरानंदप्रांणनकीप्यारी॥ ऋष्यमूकमैनाकमेरुगिरिगोवरधनविंध्याचलभारी। लागेसकलसिहानपरस्परहिमगिरिपुण्यसबनतेन्यारी॥कहतकामतागिरितेहिअवसरहमसबसकलरहैनभचारी। मूढ़मदान्धमहाबलगरवितसपनेउचित्तदयानहिंधारी॥बैठतडोलतउठतहमारेअमितगगनवरहोइदुखारी। बसैनिशाजियजानिजहांजबदबिसंहरैनगरतवभ्कारी॥ हिमविवेकअरुधरमधीरताकहनयोगनहिंजीभहमारी। चलोफिरोनहिंउड़ोआजलगुपुनिअघजीवविनाशविचारी॥ जड़केजड़हमरहेजौनअघहिमकरनीनिजभयोसुखारी।यथाकर्मशशिमौलिमिलैफलजनिसिहाउपरभाग्यनिहारी२१ जगहितहेतप्रगटभइमाई। अजाजन्मआचरजयोगपैदासनकाजनबारलगाई॥शिरसोभयोअकाशअमलद्युतिकेशननीलघटाछबिछाई। भ्रूसोइंद्रधनुपपलकनसोनिमिआनंदहृदयअधिकाई॥ दृगसोरविकरणनसोमारुतनासासोआश्वनिअर्थाई। मुखसोअग्निवरुणरसनासोदशननसोयमराजबड़ाई॥ वाणिसोवाणीअधरसोरतिपतिकंठसोवेदनकीवकताई। कंधसोदक्षभुजनसोसुरपतिकरसोविशुकरमानिपुणाई॥ अँगुलिनसोदिगपालनखनसोतारागणशोभासमुदाई। उरसोशशिसामुद्रउदरसोकुक्षिनसोधनपतिअधिकाई॥नाभिगणेशयक्षजं

घनसोपद्‌वाराहकमठअचलाई।रोमावलिसोअहिवृक
पुनिसोचित्रगुप्तकीचातुरताई ॥ शोणितसोसरितासर
मानसमज्जासोदनुजनदनुजाई। अस्थिअचलकालप
ष्टासोरेखनसोसबसृष्टिबनाई ॥ मनसोमनुचितसोल
क्ष्मीपतिबुद्धिशोधिसिरजतचितलाई । अहंकारबलरु
द्रउमाइमिकियोशशिमौलिबिराटउपाई २२ गिरिजा
जन्मतुहिनिगृहलीन्ह्यो । हरषितबरषिसुमनसुरतरुके
सुरनदुंदुभीदीन्हयो॥ कोटिसुवनसमसुताजानिजेहिदा
नअनेकनकीन्हयो । भयेशशिमौलिमगनमनदंपति
दिव्यरूपकरिचीन्हयो २३ जाकोपावतपारनशेष ।
सोनारायणप्रगटशैलगृहधरेसुताकोवेष ॥ विश्वभर
नपोषनसबसहजहिहोतशक्तिजेहिपाइ।तहिजननीपहि
रायछठोलोछठीकरतउरलाइ ॥ अंतनलहतमारकंडेश
तनामनयेजपिजासु। गिरिगनवाइगणितगारनसोनाम
धरावततासु॥निगमअगमगतिजासुजानिजियनेतिकह
तकरितोष । जन्मपंत्रखिंचवाइतासुपितुपूछतगुणअरु
दोष॥ पोषतजननीजठरजीवनजोदेतअशनमनमोद ।
अन्नपराशनकरतमातुतेहिबैठारेनिजगोद ॥ भद्रवेषउ
रजटाभारयहसंन्यासीजेहिध्याव । क्षौरकर्मकरवाइता
सुपितुकरतचोगुनोचाव ॥ करतगानगुणजासुदिवसनि
शिचितलगाइसुरसंत । करणवेधशशिमौलिकरहितेहि
मातुहरषिअत्यन्त २४ ॥ चन्द्रलीला॥राग ॥ लीन्हेगोदउ
माकहँमाई । पूरणइंदुउदितअरधनिशितैसहितासुछ
टाछबिछाई॥नींदनपरतप्रियाहिबाहिलावतशशिहिबोला

वतकरफैलाई॥हैभूखीकन्याममताकहँजाउसुधारसबेगि
पियाई॥ किलकतहँसतलखेनहिंनभतनबारबड़ीतवदे
खिजोन्हाई। देखतहीजननीकीबातेंदीन्हअचानकहा
थउठाई॥स्यन्दभसहितसुधाकरलक्षणसहितसुधींना
योशिरआई।गयेमूंदिनैनाहगत्योंहींब्यापिगईतनशीत
लताई॥ कीन्हविदाबिधुकहँजगदम्बाहरीमातुमुरछा
अलसाई। मैंशशिमौलिहृदयतेहिनिश्चयहैईश्वरिजे
हिसृष्टिउपाई २५॥ चलनागिरिजाजीका॥ राग॥ लगी
जबचरनधरनधरनी। कीन्हमनमोदमहीसुरसन्तभई
अबसिद्धसकलकरनी॥ उपजसुरमधुरबजतघुँघुरूसु-
नतडिगाठिठुकिरहीहरनी।समुझिसोशब्दकरहिजोध्या
नतरहिभवसिंधुबिनातरनी॥ मनोहरमंदमृदुलमुसका
तदमकद्युतिदशनदुसहदरनी। सकुचवशमासुभयंक
प्रकाशसहसमुखजातनहींबरनी॥ कहेशशिमौलिजप
तजेहिनामपतितभयेसंतसदाचरनी। प्रगटमहरानिसो
बालस्वरूपनमोहिमओहिमकीघरनी २६ चलीजात
गिरिजामगनमन। हिमवानआंगनअमलद्युतिकरत
परमपावनपगनसन॥ भइभूमिकोमलकमलओकियो
शीशछायागगनघन। शशिमौलिगिरिजादरशहितभ
योदेवतनकेहगनप्रन २७ भलिछबिसोहिरहीदोउपाय
न। रुनुझुनुधुनिघुँघुरुनउपजतजबजातसकुचिसगरे
गुनगायन॥ होतिचरणचिह्नितक्षितिज्योंज्योंत्योंत्योंनि
जसमुझततारायन। लीन्हदुरायदुसहकंकरकुशभईको
मलमहिसहजसुभायन॥ पदतललिततलसतउघर

तद्युतिदियदामिनिउपमाकरिआयन । अंकुशकुलिश आदिकरेखनपैहियहारीकरिकोटिउपायन ॥ अतिही सुघरश्यामतालीन्हेहैपदपृष्ठिप्रत्यक्षप्रभायन । यमुना प्रेमपगीवाकेइमिसोइसजरंगरँगीचितचायन॥ नखअ वलीलखिलाजविवशह्वैतारागणमूंदेचन्द्रायन । चन्द्र भयोगरबिततताहेसोघटतबढ़तबिरहिनदुखदायन ॥ जे हिरजकीअभिलाषकरहिंनित योगीयतीतपीजलशाय न । सोइशशिमौलिमिलौमाईमोहिंमांगतमैंनहिंआन रसायन २८॥ बन्दनागिरिजा॥ राग ॥ गिरिजायशज गमगचिंतामन । श्रुतिमगकैहियधामधरौजनत्रिबिधि तापतमकोडारोहन ॥ दुखदारिद्रकीहानिसकलबिधि लाभअनेकसोकौनसकैगन । सपन्योदीखप्रकाशतासु जेहिभूरिभागताकेकहियेधन ॥ बागलगायदियोमगमें तबबापीकूपतड़ागदेउखन । सोसबपुण्यउदयभइताकी जेहिपायोयहपरमबिजक्षन ॥ भक्तिवेदमहिमाजाकीक हिनहिंसामर्थ्यजोऔरसकैभन । जोनिजभूठफिरैभले जेतिनपरसदासाढ़सातीशन ॥ योगीजनजोगवैंजेहिम णिकहँराखैपानसमानयथाफन । सोशशिमौलिसुलभ भइतोकहँगहुपोढ़ेअवभूलुभटकिजन २९ रीझैईशउ माकेजापी । क्षणभंगुरादेहधरिधरिसोफिरत्रयतापनता पी ॥ परमानन्दअभीरसकोघटउरअस्थलअस्थापी। आधिव्याधिविग्रहहविस्मयंविषकबहूंताहिनव्यापी॥ ज्ञा नवैरागयोगमारगमहँजोसुखवेदअलापी । सोसबलहै सहैनहिंपैश्रमदहेदुसहदुखदापी ॥ मोहादिकचितकेचो

रनकोज्ञानचरनसोचापी। डारितिन्हैंनिरद्वन्दकोठरीप टबिवेकसोढापी॥ ह्वैअद्वैतअमलअद्वैपदपावैप्रबलप्र तापी। हरषाबिषादनअस्तुतिनिन्दाकरैकृपानहिंशापी॥ संयमयोगयज्ञतपतीरथसबहीसोमुखभ्भापी। शिवस्वरू पशाशिमौलिमिलोजबस्वयंसिद्धभयोआपी ३०॥ खेलन पार्बतीजीका॥ राग॥ सुकुमारिनसँगखेलननलागी। वेदभेद नहिंजानतजाकोतोतरबोलबोलतअनुरागी॥ मुखमुसु कानिमधुरतारसबसशशिकरमेंभइअमिरतपागी। याही तेकरिचाउचकोरैचितवतताहिरहीनिशिजागी॥ दुइदु इदशनदेखिदामिनिकेभइसबकलाप्रत्यक्षबिरागी। इत दरशनकोलोभलाजउतउघरतदुरतअपनपौत्यागी॥ लक्षणललिललखतगिरिजाके कहतनगरसखिसकल सोहागी। हैशशिमौलिप्रगटजगंदम्बा देखिइन्हैंहम सबबड़भागी ३१ पटप्रतिमारचिरुचिरसोहाई। खे लनलगींकुमारिनकेसँगकरिलीलालरिकाई॥ सुरसुन्द रीनामतिनकोधरिज्योंहींटेरिबोलाई १ चिदानन्दचेतन ह्वैह्वैसबकरजोरेउठिधाई॥ वैसैशीलस्वभावक्षमा छबिचरणचारुचतुराई। सजिशिंगारनिजनिजलोकन सोजनुअबहींचालिआई॥ कम्पिकुबेरइन्द्रवरुणादिक देवजातिजहँताई। धीरनधरतकरतअतिहीभयमंत्र सबैसबठाई॥ पुरुषनहूबिरचनचाहतहैजैसेशक्तिरचाई। अवतेतहांहोइगोस्थितहमसबजौनजहांई॥ शंकरनिकट जाइपायनपरिपीड़ासकलसुनाई। उंमाचरितशशिमौ लिकह्योतबतुमनिरशंकसदाई ३२ जागजगजीवन

गिरिजाजगमगगृहभयेभये ॥ दरशनकाजखड़ेसुरमु
निगुणआवतनयेनये। गंगाजलभारीसखियांसबठाढ़ी
लयेलये ॥ उठिबैठीसुनिशैलसुतासबदुखमिटिगयेग
ये। नायोशिरशशिमौलिमगनचरणनचितदयेदये ३३
गिरिजादेखुसंध्याभई । हैसमयअबआरतीकोखेलुज
निअँगनई॥ सगुनलीलाछांड़िक्षणभरिबैठुमेंबलिगई।
लेहुँकरितुवचरणपूजाजक्षमंगलमई॥ सुनिसिंहासनकी
न्हआसनमातुपूजालई। धनिसोकहिशशिमौलिसोजे
हिजननिबुधियहदई ३४ अबजनिजाहुखेलनदूरि ।
देखिसकलसिहाततुमकहँदृष्टिजिनकीकूर॥लोगसबसुत
पाइसमभूतकामनानिजपूर । तुमसुतासुतसरिसमो
कोजक्षमंगलमूर ॥ परततोमुखधूपछाहींभरतपगमग
धूर । लरतपरसुकुमारतुमसनकरतनितभकभोर ॥
कहतइमिशशिमौलिमातामोहबशतृणतूर । यंत्रदीन
बँधायभुजपरमंत्रसमुभिबिसूरि३५ ॥ सखीवचन ॥ यह
कन्याबड़ेभागनपाई । राखनयोग्यहृदयसंपुटकेंहैदेवी
कीमूरतिमाई ॥ बुधिविद्याविश्वासविनयबलवानीवृत्य
विवेकबड़ाई । जबतेप्रगटभईगिरिनंदिनित्रिभुवनभू
तिभवनतवछाई ॥ सुतलक्षणलक्षितसबयाकेअद्भुत
चेष्टाचिह्नसोहाई । हेरनिहँसनिचलनिअरुबोलनिलेहि
मनोविधिचित्तचोराई ॥ खंजनदृगभ्रुवइंद्रशरासनशुक
नासामुखइंदुलजाई। दाड़िमदशनअधरविंबाफलकंठ
कपोतरहेसकुचाई ॥ गोसुतकंधकमलकरदोऊकटिकेह
रिपदकंजलोभाई। नखशिखसुखशोभाकीआगरतापर

शीलसकुचअधिकाई ॥ राखुछिपाइक्षपाकरसोंतेहिन
हिंदेखाउदिनकरअरुणाई । दृष्टिकुदृष्टिबचाउयतनक
रिमैंशशिमौलिकहतशिरनाई ३६ ॥ अद्भुतलीलाश्रीपार्व
तीजी ॥ राग ॥ खेलौंआँगनभरीअंगनधूरि । तेहिअवस
रमातातहँआईलीन्हसुतानिजगोदउठाई पालनपरपौ
ढ़ायोजाई आपगईकहुँकाजबिसूरि ॥ आईपलटिअचं
भौंदेखा कोटिनहरिबिधिसुरपतिशेषा सुरकिन्नरमुनि
अगणितबेषा करतबिनयठाढ़ेसबदूरि । अंबासिंहासन
आसनकीन्हें सुरसबसेवामेंचितदीन्हें कोऊछत्रव्यजन
कोउलीन्हे कोउभाषतमहिमाअतिरूरि ॥ कौतुक
देखिलोभानीमैना भरिआयोजलराजिवनैना अस्तुति
करतसुहावनबैनाजैजननीजगजीवनिमूरि । जानाज्ञा
नउमामुसक्यानी सोसबलीलाललितलुकानी भटकिर
हीशशिमौलिसयानीतासुहृदयमायागइपूरि ३७॥ सखी
बचनटूटनामालाश्रीगिरिजामहारानीका ॥ राग ॥ आजमहारि
सवशवहबाला । सुनुजननीतेरीकन्याकरटूटतासुमुक्तन
करमाला ॥ यदपिओंराहनदीन्हनसकोनहिंकछुव्यंग्य
बचनप्रतिपाला । तदपिसकोचशोचबशलाक्षणसजल
नैनभैंनिपटबेहाला ॥ देखतदौरिदशाताकीमैंजाइनिकट
कह्योबचनरसाला । इकदुइजातिरहेमुक्तातुवताहिन
असिबुधिविकलबिशाला ॥ कोटिकह्योतेहितोषभयो
नहिंतुवतुवशोचरचायहचाला । वेगिंप्रबोधकरयोजन
नीतेहिजनिराखौकुंठितकरिख्याला ॥ सुनिशशिमौलि
कह्योतबरानीहैयहलोभमहाबिकराला । देउँपटाइभ

वनमुक्तासोंबरषौजलजिमिपावसकाला ३८ ॥ रागपद॥
मुक्ताकोमालकहींटूटो॥गिरिकन्याकरिरिसवशअज्ञातन
हींमानैसमुभ्कायो।जनीभरिभारतहांपठयोसोलीन्ह्योन
हिंसमुभ्कीनृपदंडातदपिअतिहीदुखपायो ॥ अज्ञाकियो
अंबकुबेर आतुरचाढ़िपुष्पकतबपावसजलसरिसनगर
मुक्तनभ्करिलायो । भरिगयेगृहअजिरबिपिनवापिकसो
चरितानिरखिपुरजन शशिमौलिहृदयअचरजअधिका
यो ३९ ॥ जलबिहारलीला ॥ राग ॥ इकदिनशैलकुमारिच
लीसरिताअस्नानन। दरशहेतुसुरसिद्धसकलधायेचढ़ि
यानन॥कोऊछत्रछायाकियेकोउचामरसुखमूल।कोउगा
वैबिनवैकोऊकोऊबरषैफूल॥ संगसखिनकेभ्कुंडलसैसुंद
रपटभूषन। बहुशोभाशृंगारदियेपटतरिबड़दूषन ॥जग
दंबाजेहिमंडलीकोटिनइंदुप्रकास। उपमासबजुगुनूसरि
सहोतकबिनउरत्रास ॥ सरिताकेतटजायउमाआवाहन
कीन्हा।ततक्षणतीरथराजसकलतीरथसँगलीन्हा॥ आ
योजगदंबानिकटनायोचरणनशीश । लायोभारीभेटबहु
पायोमातुअशीश ॥करिसंकल्पबहोरिजोरिकरशैलकुमा
री। धोयोमुखपदपाणिसहितसखियनबरनारी॥ सकल
सुरनबिनतीकरीबिदाभयेपरिपाय।निजनिजबसनउता
रितियलागींतुरतनहाय॥ शैलसुताजेहिकालचंरणसरि
ताजलडारो । तीरथसबहरषानबिनयकेवचनउचारो ॥
नहिंजानीकाबनिपरीपूरुबपुण्यहमारि । जगपावनपाव
नकियोसबअपराधबिसारि ॥ बोल्योतीरथराजपापअ-
तिहीजबछायो । लखिअवसरमेंआजसबनयाहींतेला

यो॥ पापीकरिमज्जनहमैंनिजनिजपातकदीन्ह। आज
तुम्हारेचरणरजहमकहँनिरमलकीन्ह॥सुनिमुसक्यानी
मातुलगीकलकरनकलोलै। तेहिअवसरगइआइअम
रकन्याअनमोलै॥बहुबाहनबहुवेषछबिबहुभूषणशृंगार।
नाइनाइशिरसरितमहँलागीकरनाबिहार॥गावतछंदप्रबं
धकरैंकोउअस्तुतिठाढ़ी। जलबिनोदरसकेलिसमयशो
भाबड़िबाढ़ी॥ कोबरनैमंगलमहाथकेशेषगुणगाइ।
कोटिवदनसोंअंबुकीमहिमाकहीनजाइ॥ करियाबिधि
अस्नानबारिबाहरसोआई। भूषनबंसनसुधारिसवैंनि
जनिजछबिछाई॥ अलंकारपटदिब्यतबपहिरोशैलकु
मारि। पूजाकीन्हीमानसीशिवमूरतिउरधारि॥ लखिवि
लंबभयमानिचलीमंदिरमहरानी। सुरकन्याशिरनाइ
गईनिजगृहसुखमानी॥ लियेसंगसखियांसकलउमा
गईनिजधाम। देखिपितामाता मुदित ह्वैगयेपूरण
काम॥ पैपायसपकवानपदारथसकलसुहाये। धरिकंच
नकेपात्रसुतैअतिहेतुजेंवाये॥जलविंहारलीलारुचिरगा
वैसुनैजोकोइ। तेहिशशिमौलिप्रसन्नतादिनदिनदूनीहो
इ ४०॥ कौतुकलीला यानीगोटक॥ राग॥ खेलतमनिगो-
अतिउमंग।श्रीशैलसुतानवललिनसंग॥करतलसोंगग
नउछालिदेत। करपृष्ठतिन्हैंपुनिराखिलेत॥ लखिलालि
तहथेरीफेरफार। गरिलाजगयोइतसहितमार॥ यहि
भांतिकरतकौतुकसयानि। कोउहँसतिकहतकोउमृदुल
बानि॥ सोस्वस्थहूजैकछुमहारानि। मनुदूषणलागी
कमलपानि॥ तिहिअवसरइकइककरतिचाव। आयो

भुजगेंद्रनकोजमाव ॥ बहुजातिविविधशोभासमाज । सबकेशिरसुन्दरमणिबिराज ॥ कोउकहतहमारीमणिअमोल । अणिमामनजापरउमाडोल ॥ कहैएकबड़ोबोलोनबोल । कष्टितचितमोमनकरतलोल ॥ सुततार्क्षअपरकीन्होबखान । मेरीमणिपरसुरपातिलुभान ॥ प्रतिउत्तरबोलाबहुरिएक । परिपूरणमोमणिगुणअनेक ॥ तबएककहीबिधिनिकटहंस । मेरीमणिकोकीन्हयोप्रशंस ॥ इककहतरमानितलीन्हनाम । मेरीमणिकोबैकुंठधाम ॥ भाष्योतबएकनमणिहमारि । रंभाउरबसिवशकरनहारि ॥ बोलाइकअहितुमकहतकाह । त्रिभुवनसबयाकीकरतचाह ॥ इकऔरकहयोयाकोप्रकास । हैतुल्यदिवाकरके प्रभास ॥ भाष्योइकअहिपुनिसहितहेत । अष्टादशकंचनभारदेत॥पश्चातकहीइकफणिकबात । अपनीअपनीतुमकहतजात॥ लैखेलैउमाजेहिहराषिमान।मणिसोइशिरोमणिमेरिजान॥ गहिमष्टरहेसुनिसकलव्याल। आयेगिरिजाढिगअतिनिहाल ॥ बशप्रेमसकलशिरनाइनाइ । निजनिजमणिचरणनधरिनिजाइ ॥ सबहुनजगदंबपरतोषकीन्ह । डरपीकन्यातवसैनदीन्ह ॥गयेब्यालबिदाहवैप्रेमपागि । शशिमौलिउमाइतखेलैलागि ॥ ४१

बाजनाधुँघुरूपायँगिरिजामहारानीका ॥ राग ॥ श्रवणसुनिनूपुरकीझनकार । गयोछायदशचारिभुवनमेंमोहनमंत्रउदार ॥ श्रीसमेतश्रीपतिश्रीपुरमेंकरतरहेज्योनार । गयेरहिरोकिहाथहरषितह्वैप्रगट्योप्रेमअपार ॥ पढ़तवेदअसमयोब्रह्माकोलागेकरनबिचार । जानिभेदभूलीतन

कीसुधिसुमिरतबारम्बार॥ होतरह्योनृतनाकनाटेनको
सुरपतिकेदरबार । डुगेताल्लबंधानठगेसबचित्रलिखे
अनुहार॥ नरकिन्नरयमयक्षजानिजिमिजोजौनीआका
र। गयेअपनपौहारिहृदयतेभयेमनौंमतवार ॥ योगी
श्वरसंन्यासयतिनकोनेकनरह्योसम्हार। बुधिबलअ
लपजिन्हैंतिनकीगतिकोवरनैविस्तार॥बंधमोक्षशशिमौ
लिसबनकीजेइच्छाआधार। तेहिगिरिजापदनूपुरकीध्व
निकिनमोहीसंसार४२॥हिंडोलाझूलनागिरिजामहरानीका॥
राग॥ रंगहिंडोलाआजउमाझूलनचलीं। करिनिजनि
जशृंगारसजीसखियांभलीं॥ सुखशोभारसपूरपुलकिपु
लकींगलीं॥रतिरम्भादिकनारिनिरखिसोछबिछलीं॥ गा
वतगीतप्रबंधविमलपुरकीअलीं॥सुनिधुनिधरतनधीरसु
रासुरकीललीं॥ परीअमरतरुडारडोरिसांचेढलीं। स्व
र्णखटोलासेजसजेचुनिकैकलीं॥ झूलतश्रीजगदंबदि
यापातीहलीं॥टूरिरह्योशशिमौलिमनोरथकीफलीं४३॥
देखनास्वप्नगिरिजामहरानीकाकहनामातासे॥ राग॥ मैंमातु
स्वपनएकदेखा। जाकरकछुअद्भुतलेखा॥ चारिदंडज
बब्रह्मलगनसेरहीरैनिअवशेखा। आयोएकपुरुषमेरेढि
गभाष्योभूसुखेखा॥ उठुउठुराजसुतातवकारणकुरुवन
गवनाविशेखा। नारदवचनसत्यसबहीबिधिमानोकछुन
परेखा॥ योगीजटिलअकामसिलैवरपरीहस्तमहँरेखा।
सोसबसांचुशंभुपुनितैसेपैबिनत्तपाकिनदेखा॥ तपबल
विधिसिरजैपालैहरिधरैभारशिरशेखा। शिवशशिमौ
लिमिलैंगेतेहिबलयामेंमीननमेखा ४४॥ राग॥ माईस

कोचनकीजैकलुमेरेकाजहुकाज ॥ आधीरैनस्वप्नमैंदेखा आयोजनुकोउब्राह्मणवेखा।लागकरनउपदेशविशेखा॥ उठिकरुतपतजिलाजहुलाज ॥ नारदहस्तरेखजोभाखा हैसबसत्यनअंतरराखा।होइजोशंकरकीअभिलाखाकरि यविपिनकरसाजहुसाज ॥ तातेतोषकरहुमनमाहींमो हिंकछूवनमेंभयनाहीं। सहजैयेदिनरैनिसेराहींफिरिमंग लछबिछाजहुछाज ॥ सुनियहिभाँतिउमाकेवैनाविकल भयेहिमगिरिअरुमैना। काहूयतनहृदयसमुभैनाधीरज मनसनभाजेहुभाज॥ऋषीआइतबहींसमुझायोकहिप्र भावमनमोहमिटायो।तवशशिमौलिउमाशिरनायोहिय शिवभावविराजहुराज ४५॥ माताबचन॥ काहूविधिमो हछुटतनाहीं ॥ देवदनुजकिन्नरअरुचारणबहुबिधियत नकराहीं। फँसेमोहबंधनमेंतेसबकबहूंनहिंबिलगाहीं॥ यमअरुयक्षवरुणविद्याधरबलप्रभावअधिकाहीं। जाति नदेखिदशातिनकीजिमिजड़ेंजीरनमाहीं ॥ पशुपक्षी नरनागजहाँजोजोनिजोवनजाहीं। मोहरहितनहिंहोहिं क्षणौभरिफिरिपाछेपछितांहीं ॥ कहैशशिमौलिपितामा तासुतमोहजालयेआहीं। शिवशैलजामोहकबहूंजनिते तिनसोंअलगाहीं ४६ ॥ मनाकरनामाताकागिरिजामहरा नीसेजानेबनके ॥ राग ॥ तुमसुतासुकुमारीकाननकठिनभ यंकरभारी ॥ अतिकोमलमृदुगाततिहारेधानपानअनु हारी। सहिकसजाइबतावोमोकोघोरघामहिमिवारिव यारी ॥ नारदकहैंनहिंउचितरहैअसनिजमायाविस्ता री। दीन्हउचाटिनगरमंदिरतेकीन्हपितापुरजनसोंन्या

री ॥ जोऐसीदृढ़टेकतुम्हारीतौमैंकहतबिचारी । घरही
मेंशशिमौलिकरौतपहोइसबनकोहितअधिकारी ४७ ॥
बिहागतालहोली ॥विपिनजनिजाउअकेलीप्यारी।मैंबलि
हारीतिहारी ॥ वनमेंबहुकेहरिकपिकुंजरभालुभुजगभय
कारी । तहँतुमसंगलेतनहिंकाहूयहअसमंजसभारी ॥
घोरघामग्रीषमकोतीक्षणपवनप्रचंडप्रचारी । ताविचछ
त्रछाहभाड़ीवनकोतुमकोनिरधारी ॥वरषतवारिबड़ेबड़े
बूंदनघनघमंडबिस्तारी । तेहिअवसरसुधिआवैसदन
कीहोतबिकलनरनारी॥ परैपंथकांटाकंकरकुशहैअतिही
अँधियारी । हाथपसारोसूभतनाहीं अमितहोतबन
चारी॥हैबहुबिपतिकहांलौंबरनौंमानुतुसीखहमारी। ली
जैसंगसखीअरुमोकोसबसंकोचबिसारी॥ सुनिमातावर
बैनउमातबबोलीबचनबिचारी । हैशशिमौलिकहासंश
यतेहिजोपूजैत्रिपुरारी ४८ ॥ बचनगिरिजाम्हरानीके ॥ ज
निजननीजियशोचकरैकछुकरमयथारथजानि । बड़ेबड़े
बुद्धिमानविद्याधरयोगयतनकीखानि ॥ मेटिसकतनहिं
करमलिखाकोउहियहारिप्रणठानि । जीवनमरनसुयश
अपयशपुनिदुखसुखलाभरुहानि ॥ हैआधीनकरमही
केसबसोलीजैपहिंचानि।तिलभरिघटतवढ़तनाहिंरंचक
श्रीब्रह्माकीबानि ॥ तासुउलंघनउचितनकाहूकविजन-
कहतवखानि। सुनिगिरिजाकेबैनबिमलबरउरपुरधीरज
आनि ॥ कीन्हबिदाशशिमौलिउमाकहँकर्मप्रवलअनु
मानि ४९ करैजनिप्रीतिहमारीमैंतोगृहकुलतेभैन्यारी ।
नारदऋषिजोकछुभाखापरतीतिसो करिमैंराखाशिवदर

शनकीअभिलाखातपकरिहौंविपिनमँझारी ॥ अबकों
टिकोउसमुझावैंमनमेरेएकनआवैविधिकीगति जानिन
जावैपैमोहिंभरोसाभारी । यद्यपिअजअलखअकामा
इंद्रीजितचंद्रललामातद्यपिलाखिकिंकरिवामा मिलिहैं
मोहिंअवशिंपुरारी ॥ शशिमौलिउमाकीवानीशोचैसु
निसुमुखिसयानीयहिंबैसजोअसप्रणठानीअसमंजसहै
अधिकारी ५० ॥ सखीबचन ॥ तजौजननिमोहिंमहा
रानी । बालापनसोंकीन्हकृपाजिमिकहिनसकैवानी ॥
खानपानएकैसंगकीन्ह्योंखेलीसुखमानी । अबबिछु
रनदुखजातसहोनाहिंहोतबड़ीहानी ॥ तुमबिनकोआ
धारहमारोप्राणनअकुलानी । मणिबिनव्यालजियैक
हौकैसेमीनबिनापानी ॥ साथहमैंलैजाउदयाकरिनि
जदासिनिजानी । सेवामेंशशिमौलिसदाहमरैहैंहरषा
नी५१॥बचनगिरिजामहरानीजीका ॥ तुमसबलायकसकल
सहेली । मेरीसदारहींसेवामेंगृहकारजनिजदीन्हसके
ली ॥ जोजोतुमहमारहितकीन्होंकहिनसकौंसुखसहस
नवेली । काहूभांतिउऋणहमनांहींप्राणप्रियातुमहौअ
लबेली॥ज्योंअज्ञामानीमोनिशिदिनत्योंअजहूंहठिदेउ
प्रहेली। संगचलौजननिभवनहमारेजननिहिंबाहिलायोकु
छुखेली ॥ वनविशेषलैजातिहुँतुमकहँयहहैअसमंजस
उरमेली । शम्भुभजनएकांतकह्योश्रुतितातेबनहमजा
हिंअकेली५२ ॥ सखीवचन॥समुझानागिरिजामहरानीका ॥
गिरिजाजननिकीजैलरिकाई । हैतूसकलसतीकेलक्षणअ
बयहतनधरिआई ॥ तुवमायावशजीवचराचरभ्रमत

फिरतसबठाई। नाचतनाचनचावतजाविधिदारुतिया
कीनाई॥ योगीयतीजपीजलशयनीमुनितापसजहँताई।
योगक्रियाजपयतनयज्ञतपंतुवहितकरतसदाई॥ जग
जोवस्तुजहांलौंजितनीतेतुमहीप्रगटाई। सावित्रींकम
लाइंद्रानीहौसबकीमनभाई॥यद्यपिश्रापश्रपनिप्रभुता
सबकेसुकुमारिजताई। तदपितुम्हारिदयाहमरेमुखयेवा
तेंउपजाई॥ मुनिमुसकायदेवगिरिनंदिनिजक्रमोहनी
धाई। तेशशिमौलिसकलसखियनकहँमायामेंलपिटाई
५३॥ शोचकरनामैनाकाजानेवनगिरिजामहरानीका॥ प्रिय
जीकीजियसुरतिलगीरी। कलनहिंपरतधरतनहिंधीरज
श्रांखिनकीनिशिनींदभगीरी॥ बारीबैसबासबनमेंकियो
ऋषिनारदकेबचनठगीरी। कपिकेहरिरिछकवाघभरेजेहि
बिचतिनसोकिमियोगजगीरी॥बसतसदामणिमयमंदि
रजोछत्रव्यजनश्रानँदउमगीरी। सोसुकुमारिकठिनका
ननमेंकुशकंकरदुखदाहदगीरी॥ कोमलकमलगातमृदु
मूरतिचंद्रछटाछबिरूपरँगीरी। तेहिंविधनातपकरनपठा
योमोसमकाकीपुण्यखँगीरी॥ करतशोचयाविधिहिमरा
नीताहिकालनभध्वनिसजगीरी। हेशशिमौलिनदुखस
पनेतेहिजोशंकरपदप्रेमपगीरी ५४॥ समुझानामैनाका॥
जनिशोचकरौमाई। सुखदुखदेहसाथसबकेयहरीतिच
लीश्राई॥ करतभोगसोइभयेवियोगबशलहतबिकल
ताई। जबजसजूनलिखोजेहिंकरमनंहोतश्रवशिश्राई॥
जानतनतुतिनरीतिसकलविधिविधिकिकठिनताई। क
रमप्रमाणलिख्योजाकेजोमेटिनहींजाई॥ श्रसजियजा

निधरौधीरजउरत्यागौकदराई । शीभबूभशशिमौलि प्रभूकीकोजानैभाई ५५ मोहितौशंकरहीकीआस । कोऊकोटिकरैपरिहास ॥ मातपितातजिदियेभवनसो सखियांभईउदास । लखुचवाउकरैंपुरवासी हैनाहीं कछुत्रास ॥ तुमजोकहतशंभुऔगुणमय विष्णुसकल गुणरास । अमृतमेंगुणसकलस्यातिबिनवुभतनजलु कपियास ॥ मातुपितापरिवारकुटुमगृहत्याग्योब्याकु प्रयास । होइबियोगदेहप्राणौकरतजौंनशिवविश्वास ॥ खंडखंडकैजायँजरैंपुनिजठरअगिनकरवास । मीनदशा देखौताहूपरतजतनबारिबिलास ॥ महारजतप्रगटैपाह नतेजारेहुतजतनभास । मोहूंतौशशिमौलिशैलजाप्र णकिमिहोइबिनास ५६ तपआरम्भकीन्हमहरानी । कै साचमनबैठिकमलासनभतसिद्धिकरिसंध्याठानी ॥ षो रंन्यासषड़ंगकीन्हजबतारिदीन्हकरिफटयुगपानी । मस कएकप्रगटयोकरसोतबततक्षणभयोअँगुष्ठप्रमानी ॥ क्ष णमहँबालकुमारअवस्थातुरतैतरुणबैसअधिकानी । बि कटवेषभारीभयदायककरतशब्दपृथिवीअकुलानी ॥ कँ पेसिंधुगिरिपवनडरेमनआकसमातदेवद्युतिहानी । शो चनलगेपरसपरअगजगईश्वरगतिकछुजातनजानी ॥ परेचरणसुरगुरुकेसुरसबधरौधीरबोलेगुरुज्ञानी । जन्मे उयातुधानुकोऊकहुँकछुदिनमेंतेहिआयुतुलानी ॥ इहां सोअसुरजीत्योचारौंदिशिदेखिनपरयोकतहुंकोउप्रानी। करतविचारकौनकाकोमैंकेहिराखोमोहिंबिनमहिआनी॥ जगदम्बिकाध्यानमहँबैठीजानाहैकोउपरमसयानी । कर

युगजोरिसहससम्वतसोरहाठाढ़नाहिंमति भ्रममानी ॥
खोल्योदृगदेख्योजननीतेहिकैप्रसन्नबोलीमृदुबानी। मां
गुअमरपदछोड़िक्षोभछलधनधृतिधरनधामरजधानी॥
कामरूपरवितेजसोमशतइन्द्रराजअहिपतिअचलानी।
कह्योअसुरज़ोमरनएकदिनतृणसमानलीज़ैपाहिंचानी॥
सुनिसुरारिबुधिबलचातुरतामनहींमनमातामुसक्यानी।
मोहिलईमातिसोबोल्योपुनिअबजोकहौंसोलीजैमानी ॥
एकदुइतीनिचारिपंचाननबहुमुखबिनमुखवेदबखानी ।
हैषटबदननकोउताकेकरमुक्तिमिलैमोहिंमातुसयानी॥क
हिएवमस्तुतेजप्राक्रमबलदीन्हताहिसबआनँदखानी ।
आपभईपुनिध्याननिरंततबप्रभुतावशतेहिमतिबौरानी।
वनबिनस्वामिअकेलेकामिनि हरौहृदयअसइच्छाआ
नी । ज्योंहीचलनचह्योमाताढिगषट्मुखमूरतिताहिल
खानी ॥ भग्योबहुतपाछेसोधायोघूम्योनभपतालछिति
छानी । हारोबहुतमूँदिदृगबैठोपाहिजननिअघहरनिभ
वानी ॥ बीतेचारिदंडजबयाबिधिखोल्योनैनाबिकलअ
ज्ञानी । देखिकहूंकोऊनहिंसम्भ्रमतवहरष्योनिजजीव
नजानी ॥ कछुदिनमेंगयोभूलिव्यथासबरारिसकलसुर
मुनिसनठानी । होनचहैशशिमौलिसदासोइईश्वरिजो
इच्छाउरआनी॥५७ कठिनवनबासाकियोमहरानी। शिव
तपउरअनुमानी ॥ पहिलेपरनकुटीरचिराखीदेवनअव
सरजानी। ठौरठौरसरकूपवापिकापुष्पावलिकीखानी ॥
प्रेममगनऋतुराजरुचिरतहँआयोअतिसुखमानी । क
रिबिनतीबिरच्योरचनानिजरतिरम्भासकुचानी ॥ ला

गिभईगतिमन्दमहाप्रियपवनसुधाकीसानी । महकेसु मनलतालहकेसबचहकेखगबहुबानी ॥ गुंजेंअलिपुंजें पंकजदलकुंजेंभुँकिझलकानी । जगदीश्वरिशशिमौलि बसीजहँछबिकिमिजाइबखानी ५८ उजियारीभादोंकी तीज । भवभयहरनभरनआनँदउरकरनमहाअघछीज॥ निराहारनिरजलजगदम्बाशिवपारथीबनाइ । चारि यामयामिनिजागरनकरिपूज्योषोड़शभाइ॥पेखिप्रभात विसरजनकरिपुनिपारनइच्छाकीन्ह । किरातिनिनतब आइमूलफलमातुनिकटधरिदीन्ह ॥ परमप्रसन्नप्रसाद प्रथमहीदीनसबनकहँअम्ब । शिरधरिखानलगेतेसब तेहिएकनकीन्हविलम्ब ॥ करिधिकधिकयाताकिकहेस बकूरकरीकितबार । कीन्हनहींआचमनदिशाकैतातेहे यहआर॥ संयमनेमआचमनमज्जनकलुयामेंनविचार। मातुप्रसादकूलतापरहमसबविधिउचितअहार॥ मानी नहींमूढ़काहूबिधिकीन्हसबनतबहोड़ । उठौचलौकहि कोपिमातुतबसैनदियोकहिछोड़ ॥ घेरोसबनताहितिहि तिनपरकीन्हीमुष्टिप्रहार । गिरीभिरीउठिलड़ीमातुबल हारोसोसबकार ॥ दैउंरपदपछारिबरजोरनलगीखवाव नमूर । पाहिक्षमापुनिकरीमातुममजानिअज्ञअघभूर ॥ शिरमुण्डनकराइताकोतबजीवदानदियोमात । सिंधुम-ध्यउपद्वीपवासकरुअबनहोवअज्ञात ॥ नामतरकतारक सुतसोसुनिगयोमहाबरपाय । देविदयाशशिमौलिदियो तेहिनिर्गुणज्ञानगहाय ५९॥ आनामोहनीकापासगिरिजाम-हरानीके॥गिरिजासत्यसंदोहनी। शिवप्रतिज्ञामोहकेबश

चित्तसकुचोहनी ॥ मोहसोबहैऋसुतासोप्रगटतियसो
हनी। जोरिकरकहयोकहाअज्ञानामममम्रमोहनी, ॥ इन्द्र
बरुणकुबेरकिन्नरसुरअसुरक्षोहनी। मोहमालासूत्रमेंमें
सकलकीपोहनी ॥ हैयहीअभिलाषअबतेहिहेतपायँन
परों। एकबारमहेशजीकोमोहकेबशकरौं॥ दशनअंगु
लिदाबिदेवीकहयोहैनहिंसमै। पूजहीसबआशअबतूबि
ष्णुतनमेंरमै॥ धोखिहौजोदेखियाकहँहोइबहुबलहियो।
बिष्णुमेंशशिमौलिताकहँलीनताकहँकियो ६० ॥ किरा
तवचन॥ सुन्दरियहिबिपिनकहोआईकेहिकारन। बस
ताबिबिधबंचरजेमानुपसंहारन। गर्जेंकपिभालुभुजग
फुफुकेंफुफकारन॥ जबलगिजेहिआयुलिख्योबिधिक्रम
अनुसारन। तबलौंनहिंमरवलगैकोटिकोऊमारन ॥
कापैतुवचरणधरणिशोभाकीभारन। ऐसेबनबिषमकि
योकैसेपगधारन ॥ कैसहुकोउसोहैसहितशोभाशिंगार
न। शिरपरजबपरतफिरतकिंकरअनुहारन ॥ कहिये
निजनामनगरपुरजनपरिवारन। हैधौंपितुमातुकहांकी
जैउच्चारन ॥ गिरिजाममनामनगरहिमपुरजगतारन।
मैनाहिममातुपितात्रिभुवनभयहारन ॥ सुनतेशशिमौ
लिउमावाणीसाधारन। किरतनभयोज्ञानपरेपायँबड़े
प्यारन ६१ राजसुतासुखशीलशिरोमणिकेहिकारणय
हिबनतुमआई॥ नामकहाकेहिकीकन्यातुमकेहिपुरतेयं
हिओरसिधाई। गजकेहरिकपिभालुभरेजहँबासकरौं
तहँसंतसहाई॥ नामउमाहिमराजसुतामैंहिमनगरीमहँ
बसतसदाई। जेहितपकाजकियोकाननहमतासुकृपानि

भयसबठाई ॥ योगियतीसंन्यासव्रतीमुनिकोउनइहाँ
आयोबरिआई ।। हैतीक्षणतपभूमिकठिनयहबालजती
तुमसहजसोहाई ॥ हैतूनितनिर्भयबिचरतबनगनतन
कालहुकीकठिनाई । हमतेबालविशेषभयातुरतदपिन
करमलिखीलरिकाई ॥ होंजगदंबजगतजीवनतुमतेज
उदितआदितकीनाई। जानिपरोशशिमौलिहिमेंअवहम
हितबासकियोयहिघाई ६२ ॥ प्रीतिवचन ॥ धनिबहुतेज
तमारिविनन्दन । अलिकैजाइउडेहमसनमुखलीनभयो
मनपदअरबिन्दन ॥ अतिलघुवैसकरनदीरघतपदंड
कवनजहँत्रासतपिन्दन । राजतराजकुवंरितनतदपिहै
जननीजेहिध्यायोसुरनन्दन ॥ हैहिमगिरिकन्याकहयो
कातनपतिव्रतहितबैठीतपस्यन्दन। धीरधुरीश्रुतिचारि
चक्रपुनिधर्मध्वजायुतबुधिवाजिन्दन ॥ तुमसर्वज्ञसक
लउरबासीगतिनिजासुजानैयोगिन्दन । हैवहकौनकृपा
करिकहियेजोअदर्शशशिमौलिमुनिन्दन ६३ ॥ भाना
तारकअसुरकावास्तेयुद्धके ॥ आकसमातमूलतरुटूटे । खग
मृगकोलकिरातविकलसबगेजनुसर्वसलूटे ॥ पूरिगईन
भधूरिधराधरदिगपालनउरकांप्यो। कोहेमाथजेहिजात
छलेखलशोरसकलजगव्याप्यो ॥ अर्वक्षोहिणीदलद
बाइलियोबिपिनआठहूओरन । धायधरोतियतारकम
र्दनसहितकातबरजोरन॥ मंदेहगनदेविदेखतकोउकहेउ
उचितवधनाहीं। बालवृद्धतियरोगीनिरजोवहिमारेजन्म
नशाहीं ॥ सुनिकनंसोयमदअंधदीर्घतवकहयोसबनल
लकारी।हतोंवेगिबालावालापुनिपितुममदीन्हनिसारी॥

सुनिसमकेसमूहसमरथखलखरभरभाचहुंतीरन । पर
शापरिघगदातोमरअसिबाणदृष्टिकियेंबीरन ॥ लखि
बांकुरीभृकुटिजाकीनितकैंपैकालमनमारे । तापरशस्त्र
प्रहारकरैंजड़जेइच्छातनधारे ॥ भैव्यतीतयुगयामजन
निकहँशस्त्रगुफायहिभांती । सुरकिन्नरनशोरकीन्होपुनि
भैअतिबिकलकिराती ॥ सुनतशोरबोलामदंधतबवेगि
सुभटसबधावो । हैसबहीप्रकारद्रोहीयहधरताबिलम्बन
लावो ॥ बिधिसुरेशसनकादिसकलमिलिबिनैमनैमन
करहीं । आतुरहनैमातुइनहींअब हमसवअतिहीडर
हीं ॥ भईप्रगटतबज्वालजनानिमुखअद्भुतअमलप्र
चण्डा । जरेसकलसुरसन्तबिरोधीजेअतिप्रबलप्रच
ण्डा ॥ धूमधूम्रततक्षणभस्मासुर भस्मजनितउठिभा
गा। सुरशशिमौलिकरैंजैजैसब सहितउमगअनुरागा
६४ ॥ कामकाजानामहादेवजीकेपासऔररतिकोमनाकरना ॥
रतिबचन ॥ शिवसनकीजियेजनिरारि । देवतासबस्वा
रथीनिजलीजियेसोविचारि ॥ भवनभूमिभँडारभूषणवा
जिगजरथभारि । पुण्यपरउपकारकेसमकछुनपरतानि
हारि ॥ पुण्यपालनशीलस्वारथअरुजितेजोआरि। देह
बिननहिंहोतएकोसोतुम्हेंनपियारि ॥ जीवजड़चेतनज
हांलौंअंडकोशमँभारि । सदासबकोकीन्हवशमैंतूडरत
किमिनारि ॥ एकक्षणमेंसंहरतसबसृष्टिनैनउघारि । जी
तनेतुमजातनिजबलत्रासतासुविचारि ॥ हैवचनतुवस
त्यपरमैंगयोजोडांहारि । प्राणहूंपरकाजदीजैकहतहैंश्रु
तिचारि ॥ प्राणदीन्हेहोइकारजसोउजीतितुम्हारि । त

दपिमोहिंसंदेहकैसहुजागिहैनपुरारि॥देउरचिऋतुराज रचनामोहनीनिजडारि। तेहूपरजोजागिहैनाहिंवाणदे होंमारि॥दीन्हरतिशशिमौलिअज्ञाकालप्रबलविचारि। परमधामपठाइहैशिवडारिहैजोजारि ६५॥कामवचन॥ शिवशरणागतपालसदातूचितचिंताकितआनी। भाव कुभावअनखआलसजमुहातौनामबखानी।बुधिविद्या कीरतिगतिमतिसबसिद्धिसुलभकरिमानी॥ कामीकुटि लकपटिकायरखलबचननमेंछलसानी। कीन्हतिन्हेंकृ तकृत्यकरुणानिधिजेअघपुंजनिदानी॥ त्रिपुरादिकम तिमन्दमहाजड़जगजिनकीगतिजानी। तारितिन्हेंभव सागरतेप्रभुपठयोनिजअस्थानी॥मैंतौसुरस्वारथकेका रणकरतनिछावरिप्रानी। यहिस्वारथकोलाहसुमुखितू परमारथकरिमानी॥ देहौंजाइजगाइशिवहिजबताजिइ रषाअज्ञानी। पैहौंपरमपदारथपद्जोकोपकदाचितठा नी॥कोपकृपादृष्टीदोउहरकीसुरपुरकीसोपानी। ताते भजुशशिमौलिसदाशिवदीनअखिलकल्यानी ६६॥ जानाकामका शिवकेपास॥मदनधनुबाणगहेशिवयोगज गावनजात। पशुपक्षीनरनागसुरासुरउरउमंगउमड़ा त॥सरसरितबनबागजहांलौंमदमातेदरशात।गिरि -परजाइरचीरचनाबहुशिवसोंकछुनाबिसात॥मारावाण हृदैताकितबहींबैठोछिपिद्रुमपात। खोलानैनचकितह्वै शंकरकेहिंकीन्हाउत्तपात॥देखिपरामनसिजजेहिअब सरभस्मभयेसबगात। सुनिपतिगतिरतिजाइशरणमें बांरबारबिलखात॥ लागिदयावरदानदियोतेहिहोइहै

हरिकोतात।बिनाअंगव्यापैसबजीवनमानुहमारीबात॥
जनशशिमौलिनामयाकोअबहैअनंगबिख्यात ६७॥
देवतनकीस्तुति॥ आयेदेवसकलकेहिकारन।सहमिसुखा
इरहेसबकेमुखकीन्हमहाबिस्मयजनुधारन॥तारकअसुर
भयोप्रकटमहाजड़कीन्हेसिंदंडअनेकप्रकारन।सुरमुनि
धेनुमहीभइव्याकुलतुमबिनकोकरैशोचनिवारन॥ बोले
बिहँसिमहेश्वरतबहींजनिडरपौसुरकिन्नरचारन। करि
हौंतोषतुम्हारोसबविधि कहयोयतननिजमतिअनुसार
न॥ नाथसुवननवषटमुखहाथनरिपुबधब्रह्मकरतउच्चा
रन। पारबतीपुनिकीन्हबड़ोतपकरियव्याहसुरबिपति
बिदारन॥ किंचितउचितनहींयहमोकोपैअतिकठिनब
चनतुवटारन। ऐसैहोइकह्योकरुणानिधिशिवशशिमौ
लित्रिलोकउबारन ६८ जैअजअखिलेश्वरस्वामी।स
र्बज्ञसदाशिवअन्तरयामी॥ वृत्रासुरअतिमतिहीना।
मुनितापसएकनचीन्हा॥ सबलोगनबहुदुखदीन्हा। य
हकुटिलमहाकपटीअरुकामी॥ प्रभुआतुरताहिसँहारो।
पृथिवीकरभारउतारो॥ शरणागतलाजबिचारो। शशि
मौलिकहैप्रणमामिनमामी ६९॥ भानासप्तऋषियोंका॥ हौ
तुमकौनकरौतपभारीहमसनकहौकुमारी।यहिगंभीरघोर
दुर्गमवनबिकटमहाभैकारी। ताबिचबसतिडरातनकाहू
कोमलबैसतुम्हारी॥ रजकंकरकुशकंटकठिनक्षितिआ
तपवारिबयारी। सोसबसहैतअकेलिरहतानितजहँअग
णितवनचारी॥ जानिपरोजेहिनगरबसातितुमतहँनबस
तनरनारी। जोपुनिबसतिहोइँगेअतिजड़पीरनजान

परारी ॥ कैसेहैंवेमातपितादोउजिनयहनीतिबिचारी। लागतदेखिदयामेरेमनहैसपनोनचिन्हारी ॥ काहूविधि वनयोगनहींतुमकर्मनकीगतिन्यारी। हंसकिशोरिकिडा वरलायककमलकिकुंतमैंझारी ॥ लक्षितभयोभेदअव हमकोप्रबलप्रतापनिहारी। मूरतिवंततितपस्याहौतुमक न्याकीअनुहारी ॥ कीधौंआदिशक्तिसरगुणह्वैलीला काजसिधारी। वेगिकहौशशिमौलिकथानिजश्रीमुख राजदुलारी ७० मुनिवरमनसंदेहहमारी। शिवअवगु णजेजेतुमभाषेतेतेहरउरधारी ॥ योगीजटिलअकामातु रशिवतुमजोकहतपुकारी। नरनारायणरामऋषभहरि सोइकीरतिबिस्तारी ॥ क्रोधीकृपणकुवेषबिरागीश्रुति मारगसोंन्यारी। परशुरामबामनशूकरध्रुवबोधबिदित जगसारी ॥ अगिनिमहीजलपवनगगनमहँविचरतत्रा सबिसारी। यज्ञपुरुषपृथुमीनहंससोइसनकादिकअधि कारी ॥ सिखतासिखावतपढ़तपढ़ावतपैकठोरताधारी। दत्तात्रैधन्वंतरिकपिलमुनिव्यासकमठअवतारी ॥मारण उच्चाटनअरुमोहननिरदैयुद्धकरारी। नरहरिकृष्णमोह नीकलकीसोहयग्रीवनिहारी ॥ उत्तरनआवैउमावचन नकोमुनिमनहींमनहारी। प्रेमपुलकिशशिमौलिभरेदृग मातुचरणबलिहारी ७१ आंखिनकीशोचहरैंगेकवधौं पुरारी॥मासअषाढ़सदासहशील।छायेगगनघटानवनी ल ॥नृत्यतमोरनिरखिछवितौन। शंभुकृपाकरिहैंदिनकौ न॥क्षमैंगेचूकहमारी १ सावनजलबूंदनझरिलाग।जागे जलजीवनकेभाग ॥ हरषिहिंडोलनझुलैंवाम। मोहिं

मिलिहैंकबचंद्रललाम ॥ तिहूंपुरआनँदकारी २ भादौं नभघनघोरघमण्ड। भैबरषाबौछारअखंड॥ दादुरजल सेवैंसुखपाय। मैंदेखिहौंचरणनकबजाय॥ हरणपूरुब दुखभारी ३ कारूकमलफूलेसरनीर। लागबहैशशिमौ लिसमीर॥ भईअकाशगिरागम्भीर। जाहुउमाजननी केतीर॥ सुफलभइआशातिहारी ४। ७२ ॥ मलार॥ छायेगगनबादलश्याम। ऐसहीशिरजटाशिवकेसकल जगबिश्राम ॥ दामिनीद्युतिदुरतउघरतअमलआठौ याम। शंभुकेमुरूकातयोहींदशनद्युतिअभिराम॥ बोलैं दादुरमोरभिल्लीबचनसंगलग्राम। याहिभांतिनरटतक्षै हैंशंभुगणशिवनाम॥ देखिपरतअकाशऊपरधनुपरेख ललाम। भृकुटिबंकमहेशजीकीयाहिबिधिप्रदकाम॥ ब्योमपरबकपांतिसोहैमनोमुकतादाम। मुंडमालबिशा लहरउरऐसहीशुभधाम॥ ध्यानमेंशशिमौलियाबिधि उमापूरणकाम। देहिंऐसीशरणजेतजिताहिबिधनावाम ७३ ॥ जानामहादेवजीकापार्वतीजीकेपास ॥ द्विजरूपकै शिवगये। जहँमगनगिरिजागूढ़गतिवयनैननयनननत ये॥ करिप्रथमभिक्षायाचनायहिभांतिभाषतभये। क मलाक्षीनृपकन्यकाकेहिकाजग्रहतजिदये॥ सुकुमारिसु न्दरअंगतुवजिमिकमलकोमलनये। हिमशैलयनकीबि षमताकिमिसहजहीसहिलये॥ हँसिमनहिंमनकहयौ उमातवतुमयाचकीरतिभये। शशिमौलिबूझवउचित नहिंदातव्यकृतअर्थये ७४ पथिकतुमकिंघेतेआये। के हिपठयोअरुकाकेआयेकासँदेशलाये॥ यहिवनअगम

नगमिकाहूकीसुरशंकाखाये । करिकुरंगकपिभालुभुअं
गमसिंहफिरेंधाये ॥ मैंशंकरअनुरागविवशह्वैसुधिबुधि
बिसराये। शिवसेवकनाफिरौंढूंढ़तजेग्रहतजिबनछाये ॥
सुनिशंकरकेबैनबिमलबरवारिहगनताये । मेरेजानदि
गंबरतुमहींद्विजह्वैदरशाये ॥ जोयाबिधिबिश्वासतुम्हा
रेतौमोमनभाये। अबशशिमौलियहीतुमजानोजनुदरश
नपाये७५ द्विजतपसीमैंपरमभिखारी। मांगतभीखयही
जोपावोंकहियकथानिजवचनबिचारी॥ यदपियाचकन
होतउचितनाहिंदातासोंचरचाअधिकारी। तदपिमृदुल
तनतपबिलोकियहआपनपौमैंदीन्हबिसारी ॥ बोलीमा
तुमगनशंकरछबिक्षितिशिरनाइहगनभरिबारी । गिरि
कन्यालघुबेसबहुरितियकेहिगिनतीतपमाहँहमारी॥ना
रिचरितजहँऔरसकलबिधिहठहुतहांतुमलेहुविचारी।
सोईहठयहआहिनतपकछुचाहतशिवदासीपदभारी ॥
दुराराध्यनिर्व्याधिसदाशिव मिलतनयोगिनयोगमेंभा
री। आगमनिगमबिदितवेदहिजेतासुदरशचहैंहमजड़
नारी॥ जानतयहकठिनताताहुपैरहतनमनसंतोषसँभा
री । सबबिधिनिजस्वारथकीसंगिनिहठमूरतिबिधितर
हिसँवारी ॥ याहीतेनहिंकहतकथानिजसुनतहँसेंकहेंनि
पटगँवारी। तुमशुचिशीलकृपामंदिरद्विजकरियक्षमास
बअविनयसारी॥ गुणगरुताधनधामबसनमणिकाहूकी
इच्छानहमारी । दीजेसोइबरदानदयाकरिजेहिशशिमौ
लिमिलेंत्रिपुरारी७६ लखिशिवगिरिसुतातपमहा। सुनि
विनैपुनिमधुरवाणीहगनसोंजलबहा॥ प्रेमवशसुधिसक

लभूलीधीरज्योंत्योंगहा।कैमगनमनपुलकितनपुनिवच
नयाविधिकहा॥मैंअकिंचनदीनभिक्षुकजन्ममरिश्रमस
हा।होतजोबरदेनलायकक्योंननिजदुखदहा। ऐसही
गुणगुप्तराखैंज्ञानगतिजिनलहा। हौबड़ेशशिमौलिस
मरथतापसीतुममहा ७७ हौतुमनहींभिखारी। आयेकृ
पाकरनकेकारणदीननकेहितकारी॥चिताभूमिसमकठि
नबिपिनयहसहजभयावनभारी। सुरकिन्नरनअगमता
महँतुमबिचरतइच्छाचारी॥कीशिवकेसान्निधिबासिनमें
कीशिवकेअवतारी। काहूभांतिभूठनहिंहोइहैनिश्चयस
त्यहमारी॥ कहँईश्वरकहँदीनअकिंचनअसकसकहौकु
मारी। उनकेतपबलसोंबिशेषिमैंआयोंबिपिनमँझारी॥
रहतअधीरसदामेरोमनजबलगिबिलगपुरारी। भयोस
धीरअवलोकितुम्हैंसो यहअचरजअधिकारी ॥ जो
चाहौसोहोउसकलबिधिमेरेपैउपकारी। देहुवेगिबरदा
नदयाकरिशंकरभक्तिपियारी॥ मनहींमनमुसक्यायशं
भुतबमृदुबाणीउच्चारी। काहूभांतिनबरलायकमैंमनमहँ
लेहुबिचारी॥ हैपरंतुविश्वासजोतुमकोतेहिबलकहतपु
कारी। पूजैंशिवशशिमौलिमहाप्रभुमनकामनातुम्हारी
७८ बिदाकैशंभुगयेकैलास। बारबारसुमिरतकरुणानि
धिगिरिजाकोबरबास॥ प्रियपरिजनपुरजनापितुमातास
बबिधिसुखदसुपास । मेरेकाजत्यागिसोतृणसमसहे
विषमतनत्रास ॥ पंचवर्षवैबालसखिनसँगबालाबिनोद
प्रहास।सोकियोगजपतपसंयमकैतजिसुखसदननिवास
व्यंजनबिबिधजासुभोजनहितधरेमधुरतारास । सोत

जिकंदमूलफलहूकोकरैकठिनउपबास ॥ पैपायसपकवानपूपदधिजेहिजेउंरनिवास। बेलपत्रअरुशाकउचिततेहिभोजनबारिबितास ॥ ऐसेकहतव्यापिगयोमनमेंपूरबकोइतिहास।देखोंमेंउपचारनारिसोभयोअदोषउदास ॥ जाकोनामसहंजसुमिरणकरहोतअवज्ञानास।पतिप्रतिकूलहोइसोसपन्योमोहिंनहींबिश्वास॥सियस्वरूपधरिलैइकितियकोउबदतवेदबिधिव्यास । यहअनन्यगतिगूढ़गिराकछुअलखितदेहाभ्यास॥मेरेजानदोऊसम्मतकरिकीन्हसुचरितप्रकास।रसबियोगशृंगारसुकौतुकलीलाललिताबिलास ॥ अबशशिमौलियहीइच्छाममकहिकहिलेतउसास।कबहुंसुशक्तिशक्तिलीलायहआवैनमेरेपास७९॥निमंत्रणबिवाहका॥हमहैंहिमनगरीकेनेगी।सुताब्याहमिसदीन्हनिमंत्रणचलोंतासुहितबेगी॥ उदयअस्तअरुऋष्यमूकपुनिविंध्याचलचलिआयो।गिरिमैनाकत्रिकूटकामतागोबर्द्धनसुनिधायो॥अपरशैललघुदीर्घजहांलोंसहकुटुंबपगधारे । बनीनहींबिनमेरुकह्योहिमवैशिरमौरहमारे॥नारदवचनसुताप्रणशिवहितमोहिंखबरिजबआई । महाकठिनसंयोगजानिजियअबलगिव्याकुलताई॥आजकहामैंदेहुंतुम्हैंजोयहसंदेशसुनायो। हिगसमानकहौंकौनसदाशिवजेहिजामातृकहायो॥शिरभरजाउँउचितमोकोअबअसकहितुरतसिधायो । कहिनजाइशशिमौलिबड़ाईनेगिनजोकछुपायो ८० जातचलेगिरिजहिशिवव्याहन। विविधबरातबनीवहुबिधिसोंहोईंशकुनमगउमगउछाहन ॥ हंसचढ़ेबिधिविष्णुगरुड़पु

निइंद्रचढ़ेऐरावतबाहन। तिनमहँबैलचढ़ेशिवयोगीपु
रवनितालखिलागिसराहन ॥ देखसखीवरकीसुंदरता
जनुबिरच्योविधिनहिंनिजबाहन। देखिपरतदुलहीन
हिंजगमेंजैसेयेत्रिभुवनचितचाहन ॥ सुनिमुसकाहिंमहे
शमनहिंमनदीनानाथदुखीदुखदाहन। जनशशिमौलि
बुरोनहिंमानैंसमदरशीसबजगतनिबाहन ८१ ब्रह्मश्र
द्वयवेदजिन्हैंगावैं। जातब्याहैसोईशंभुगिरिनंदनिहिगा
इजसजीउजेहिभक्तिपावैं ॥ सोहैशिरपरजटाजूटअहि
मौरछबिकानकुंडलउभयव्यालराजे। नागउपवीतहिय
कंठविषचिह्नकटिमेखलामध्यअहिअमितभ्राजे॥ पाणि
कंकणलसैंलघुनभुजगेंद्रकेचरणनघूघुनसरपाक्षपोढ़े।
शूलडमरूलिये भस्मधारणकिये चढ़ेवरबैलगजखाल
ओढ़े ॥ देखिशृंगारयहईशकोदेवकरैंहँसिवादबोलैंसु
बानी। जक्तदूलहीनदूलहकेलायककहूँधन्यजगजन्म
जोहोतरानी ॥ सुरनकोबोलिहँसिकह्योतबविष्णुकेजाहु
सबबिलगलैलैसमाजैं। अनुहारिवरकेबरातीनहींदेखि
यतहँसहिंपुरलोगसुनिसकललाजैं ॥ देवमुसुकानसुनि
बैनहरिकेसबैवृंदनिजजनलैलैसिधारे। हँसैंमनहींमनैं
शंभुहरिसोंकहैंभलेकौतुकीसंगीहमारे ॥ प्रेरिभृंगीबुला
योसखायूथसबआईभूतादिकनकीजमाती। कहैंशशि
मौलिमगहोहिंकौतुकमहाजैंसबरबन्योतैसेबराती ८२
शंकरकीभलिबनीबरात। भूतप्रेतबैतालविविधबिधिअ
रुयोगिनीजमात ॥ कोउपशुमुखएकमुखअनेकमुखमुख
सोंकोउहकलात। यकशिरदोशिरतीनशिरबहुशिरशिर

बिनकोउसमुहात ॥ बहुरसनारसनाविहीनकोउदुइरस
नासोंखात । रसनामुखबाहरकाहूकेदेखिसबैसकुचात ॥
कोउयकदृगबहुदृगत्रिकोणदृगकोउदृगबिनदिखरात ।
कोऊलूलद्रष्टाअद्रष्टकोउकाकदृष्टिदरशात ॥ हृष्टपुष्टअ
ष्टांगबक्रकोउकाहूकृशकीगात । लंबोदरकोउउदरखला
येकोउबिनउदरलखात॥ गजपदकोउयकपदअनेकपद
पदसोंकोउलेंगरात। धावतउड़तउलंघतकूदतलोटतम
हिकोउजात । देखतअशुभवेषभूलौजनिमहिमामेंअधि
कात ॥ हैंशशिमौलिपियारेशिवकेइनसमकौनसुजात
८३ निरतैंभूतगणचहुँओर । कोउबजावतकोऊगावत
कोउमचावतशोर ॥ सद्यशोणितभरेतनमहँयोगिनीलि
यसाथ । भसमअंगभुजंगभूषणमुंडलीन्हेहाथ ॥ महि
षश्वानशृगालकेहरिधरेरूपअनेक । देखिबेकोबिकटमू
रतिसदाशिवपदटेक ॥ सुरनहूतेअधिकमहिमाकहतहैं
श्रुतिशेष । रीझिबेहितशंभुकेअदभुतबनायेवेष ॥ हेरि
हासबिलासतिनकोंदेवतामुसुकात। बनोबरशशिमौलि
जैसोताहिभांतिबरात ८४ बाजभुवंगमभूषणभृंगी । सु
निधुनिधायेभूतभयंकरयेछबिअड़बंगी ॥ खगमृगमनु
जरूपकीन्हेकोउकाहूवेषभुजंगी । वृकबाराहव्याघ्रबेसर
वृषधरेदेहबहुरंगी ॥ आइनाइशिरशंभुचरणरजताजि
स्वंभावचितभंगी। लगेकरनकौतुकनानाविधिनाचस्वां
गसर्वंगी ॥ कोउमृदंगडफढोलबजावतकोउश्रृंगीसारं
गी। गावतसजेस्वांगसबहीविधिगतिथेईथेइथंगी ॥ मु
सुकानेकिन्नरकोविदबिधिलखिबरातयहनंगी॥धनिशशि

मौलितपस्याउनकीजेशिवकेसतसंगी ८५ शंभुवरा
तनगरनियरानी । जाउवेगिसवसजिअगवानी ॥ पहि
रेपटभूषणभांतिनवहुवालकसवसुनिहिमगिरिवानी । क
रिदियोभेंटसंगपुनितिनके मणिअभरणखगमृगअस्था
नी ॥ बाजेशंखपणवदुंदुभिनभेहैंगैभीरनजाइबखानी ।
होहिंशकुनसुन्दरसवही बिधि जातचलेअतिहींसुखमा
नी॥ चर्चितचारुसुगंधनसोंशुचिबीथिनवहुशोभासरसा
नी।नूतनदिव्यदूरवाइउदिशिसुमनझाड़इतउतलहेका
नो ॥ गेजबनिकटलख्योसुरवृंदनशिवमर्यादासवनवखा
नीं । किन्नरनागवरुणचारणगणगंधर्वनकीसैनसयानी॥
शार्नीशुक्रअरुसकलऊड़गण ग्रहरविशशिकीछविसवन
सुहानीं।निजप्रतिबिंबराखिनिजलोकनआयेशिवसँमहि
मरजधानी ॥ आदितयक्षकुवेरमिलेपुनिमुनितापसयो
गीविज्ञानी।तापीछेऐरापतिऊपरसुरपतिआवतसवहुन
जानी ॥ वूभतबालअयानवड़नसोंदूरिकेतेहदूलहसु
खदानी । याबिधिसंगवरातीजाकेसोकिमिहोइमहाछ
बिखानी॥ हंसअरूढ़लख्योविधिकोजबसबलरिकनजो
रुयोयुगपानी । हैयाहीवरवुधिविद्याधरसुनतवरातसक
लमुसुकानी॥ खगपतिपृष्ठिरमापतिकोलखिलरिकनसा
रितहाँतवठानी । अवहूयाँसोंहमजाइँकहूँनहिंशंभुयहीं
जेहिध्यावतध्यानी ॥ बोलेविष्णुसुनोबालकसवहमतो
न्योतहरीसवप्रानी । हरलखिबिवरसंगीवरवाहनदेखतही
सवकेमनमानी॥ऐसहिकहतपरोखरभरतवधूरिगगनमं
डलमड़रानी। प्रेतनदेखिभगेबालकसवसुनिशशिमौलि

उमाहरषानी ८६ शंकरत्रयतापहरनअसरनशिरछत्रध
रनपतितनपावित्रकरनद्दतरनअघशमनहै। जगमगज
गजासुअंशध्यावैसुरकरिप्रशंस वृषपतिचंद्रावतंसत्रि
भुवनदुखदमनहैं॥गंगाजेहिजटाजूटपापिनकरपापछूटदे
वनहितकालकूटकीन्होंआचमनहैं। सोईशशिमौलि
स्वामिशोभासुखसुकृतिधाम आयोहिमवन्तग्रामगिरि
जाकोरमनहै ८७ शिवकहँलेनचलेअगवानी। नूतनप
टपहिरेपुरलोगनछविनाहिंजातबखानी॥ बहुबाहनवा
जंत्रबजैंबहुहोइसगुनशुभखानी। पहुंचेजाइबरातनिक
टसबभेटलियेमनमानी॥ इंद्रविरंचिविष्णुसंगिनलखि
शिशुमंडलीलुभानी। शंभुसमाजविलोकयोजबहींमुख
द्युतिसहमिसुखानी॥ चौंकिचितैगजबाजिचकितचित
भागेभयउरआनी। रहेसयानठाढ़धरिधीरजबालकसै
नपरानी॥ कंपितगातगयेघरघरसबमुखआवतनहिंबा
नी।समुझावतपितुमातुसबनकहँपूछतिगतिगहिपानी॥
वृषभअरूढ़कपालव्यालधरभस्मअंगलपिटानी।योगी
जटिलनगिननिरलज्जावरबाउरअज्ञानी॥ भीरभूतबै
तालनकीबहुताकेसँगसमुहानी। ऐसिबरातसुनीनहिंदे
खीयमसैनासकुचानी॥रहीजियतजोदेखिबरातिनपुण्य
बड़ीहमजानी। हमरेजानआजुहिमनगरीसबकीआयु
तुलानी॥ मुसुकानेपितुमातुसुनतयहकीन्हशिशुनभय
हानी। हैंशशिमौलिसदासबलायकशंकरअवघड़दानी
८८ हिमगिरिपवरिप्रशंसालायक। द्वारचारहितहैंठाढ़े
जहँजगदीश्वरजगमंगलदायक॥वृषभअरूढ़कपालशू

लधरगंगाधरसुरसिद्धसहायक । विषधरभूषणशीशसु
धाधरनयनतीनित्रिभुवनमनभायक ॥ सगणइंद्रविधि
विष्णुबरातीभूतादिकशंकरप्रियनायक । सुरसरिताबन
शैलजहांलौंजनबातीआनँदउपजायक ॥ बरषिसुमन
सुरदेहिंदुंदुभीगावैंगुणीनृतैंनिरतायक । धनिशशिमौ
लिउमाशंकरद्वउधनिमैनाधनिहिमगिरिनायक ८९ बं
दनवारबँधेहिमद्वारे । ध्वजापताकपोहिमाणिकमणिकारि
बहुयतनसवाँरे ॥ पद्मरागफूलनसंयुतशुचिसोहैंसुरनके
वारे । मृदुमंगलमर्य्याददेहरीजेहिसबसुरनजुहारे ॥ ता
सुवामदक्षिणादिशिदिग्गमगादिव्यदीपकनबारे । कंचनक
लशभरेगंगाजलसखियांशिरनसँभारे ॥ पानफूलदधि
दूबरोचनाभरेसूवरणथारे । धरेमुनींदनिकटनानाविधि
वस्तुअनेकप्रकारे ॥ सुरप्रतिमावरविमलवेदिकाआचा
रजनसँवारे ९० मैनाआरतिकरनसिधारी । प्रज्वलित
करिकरपूरसुगंधितसजिसुबरणकीथारी ॥ संगसखीसौं
भाग्यवतीसबपहिरेनूतनसारी । मंगलगानकरतअति
छबिसोंजयगिरिजात्रिपुरारी ॥ छोंड़िदईफुफुकारसमय
तेहिव्यालमहाभयकारी । कैसभीतभागींसबसखियांवि
कलभईमहतारी ॥ कोउशोचतकोउमौनमहादुखकाहू
द्दगनबहीवारी । हाहाकारपर्य्योतेहिअवसरसबरनिवा
सदुखारी ॥ मातातवलियोबोलिउमाकहँकहतिगोदबै
ठारी । जेहिविधनाविरंच्योममकन्याहिवरकसरच्योवि
चारी ॥ जेफलउचितदेवद्रुमन्दारनंलगतबबूरमभारी ।
कहँममराजसुतासुंदरशुचिकहँबरानिलजभिखारी ॥ का

नसाइडारोमैंमुनिकरबसतजोमोहिंउजारी। सांचौमाया
मोहनजाकोसबहीकरअपकारी ॥ गिरितेगिरौंजरौंबूड़ों
जलकन्यारहैकुमारी। जियतनब्याहकरौंकाहूबिधिहोइ
अयशत्रचहैभारी ॥ ऋषिनारदआयेतेहिअवसरबाणीम
धुरउचारी। गिरिजाशिवसंयोगसनातनबदतवेदमुनि
भारी ॥ जगदीश्वरिजगदंबजक्तप्रियसबकीसिरजनहा
री। लीलाकरनकाजसगुणक्लैभइसुकुमारितुम्हारी ॥ पूर
बजन्मरूपासियकोधरिदक्षभवनतनजारी। सोइशशिमौ
लिप्रकटितुम्हरेगृहयहलीलाविस्तारी९१॥ नारदवचन॥
मनमेंधीरधरौसबकोई। गिरिजाशिवसंयोगसनातनमा
तुपिताजगजोई। पूरबकलुलीलाकेकारणसीतारूपधरो
ई॥ पतिहितलागिजरीपितुकेमखतुवगृहप्रकटीसोई।
भरोविलासताकेत्रिभुवनकोथितिपालनलैहोई॥ लीला
हीकेकाजसगुणक्लैब्याहउछाहरचोई। एकभावयकरूप
एकगतिदेखतहहिकेदोई॥ हिमकैलासप्रकट्याहीतेसुमि
रतरैजेहिलोई। क्लैनिश्चिंतरच्योरचनानिजसंशयडारो
खोई ॥ शिवशशिमौलिसदागिरिजाप्रियप्रीतिपुरातन
गोई ९२ चरितसुनिशंकरकेमैना। धीरनधरतकरतअ
तिहीभयभरिआयेनैना ॥ यहपुत्रीपूतरिअँखियनसीपा
ल्योदिनरैना।ताहिदईदीन्ह्योबरबाउरमेटयोचितचैना॥
कहँयहकमलमुखीममकन्याकोकिलसीबैना । कहँयेशै
लपतीसँगजाकेभूलनकीसैना॥ तोप्योतबशशिमौलिम
हामुनिकीजेकलुभैना । यातेअरुशिवसोंकाहूबिधिदूस
रिगतिहैना९३॥ गिरिजावचन ॥ सबकरकर्महीपरधान।

गुप्ततेभयोप्रकटजोकछुकर्मपथदरशान ॥ कीन्हजोनर पक्षइच्छाकर्मतीक्षणलागि । एकतेसोअनेकह्वैगयोकर्म केअनुरागि ॥ कर्मतेमहत्तत्त्वतासोंप्रकटआहंकार । त्रि गुणकेवराकरमहीतेरुद्रबिधिकरतार ॥ कर्महीसोंतत्त्वपां चौदशोइंद्रियद्वार। देवतादशकर्महीसोंभयोविराटमभ्का र ॥ कर्मतेब्रह्मांडयहअरुइसीतेभयोजीव । कर्महीसोंक लाबिकलाअंशआतमसीव ॥ अमलमेंभौदुःखदोषित अनखअघवहुवेख । कर्महीसोंहैंसतसबकेशुभाशुभके देख ॥ सत्यभूठप्रशंसनिंदाकर्मकेअनुसार । देवदनुज लिलारसबकेकर्महीकोभार ॥ कर्महीकेबिबशजोजेहियो निदेहअरुऐन। वेदमगमीमानसासोइप्रकटाजिनमेंबैन॥ दोषकाहुनदेउतातेमातुममहितपाइ । कर्ममेंशशिमौलि जोममसोकिघटिबढ़िजाइ १४ भईमैंशंभुकीदासी । जियजनिशोचकरौकछुमातामुदमंगलरासी ॥ भस्मक पालकथासुनिसुनिसबलोगकरैंहासी । करुणाशील क्षमाछबिकोनिधिसबबिधिकैलासी। कांजानैशंकरकीम हिमाहिमागिरिकेवासी ॥ दूषणरहितव्यालभूषणशिव अव्ययअबिनासी । जरतसुरनकियोपानविषमबिषसु धामधुरतासी ॥ शंकरसरिसकहौत्रिभुवनमेंकोबुधिबल रासी। कोटिकरैंजपयोगयतनबहुभजैनपतिकासी । क हैशशिमौलिकटैकबहूंनहिंतृष्णाकीफाँसी १५ ॥ शैलपं तिकीदासीभईमैं। राजपाटसोंकाजनमोकोसंन्यासीसँग वासीभईमैं॥ अबकाहेकोमोहकरैतुमनिजकुलकीउपहा सीभईमैं । शिवशशिमौलिरमापतिकेममचरणसेवकम

त्तासीभईमैं ९६॥ बसेरीमनमेरेमाईमरदनमैन। कीन्ह
यद्पिजपयोगयतनबहुतद्पिनहींचितचैन॥ जिज्ञासू
यज्ञनजारोतनजलशायीजलशैन। सपनेमाहँमिलैंनति
न्हैंशिवसुखशोभाकेऐन। ब्रह्माजाकोपारनपावतगुणगा
वतदिनरैन॥ सोकिमिसुगमअगमगोचरज्योंकहतानिग
मनिजबैन। साँचीसत्तअहपिनकीवाणीमनबांछितसुखदै
न॥ पैशशिमौलिदरशदेखेबिनअँखियांधीरधरैंन ९७॥
पूजनयोग्यउमामाईरी। आदिमहाविद्यामूरतिजनुशैल
भवनभैअस्थाईरी॥ जगमगज्योतिज्वालशतकोटिन
कोटिछटाकरिछबिछाईरी। हरतकोटिमुसक्यानिमनोहर
रविशतकोटिप्रभापाईरी॥ विक्रमकोटिमारकंडेमुनि
कोटिनविधिबुधिनिपुणाईरी। ज्ञानगणेशकोटिकोटिनस
मकोटिमदनसुंदरताईरी॥ कोटिनशुक्रसजीवनदातासु
रगुरुकोटिनचतुराईरी। सुरपतिकोटिराजचिह्नयुत
कोटिनिगमगुणगरुआईरी॥ धारणशक्तिधराधरकोटि
नकोटिधनदसुखसरसाईरी। कश्यपकोटिकोटिस्वायंभु
समसृष्टिरचनविधिप्रकटाईरी॥ देखिसुताअनुहारिठी
कतुवजनिजानैहिमकीजाईरी। हैशशिमौलिपरेपरमेश्व
रिमनबचकर्मकरुसेवकाईरी ९८॥ तेरीगतिअगमअ
पारभवानी। हारेश्रुतिसिद्धांतसराहतथाकितभयेकवि
कोविदवानी॥ कैसोउकोउपापीअपराधीकामीकुटिल
अबुधिअभिमानी। एकैबेरकृपाकेहेरेह्वैगयोसिद्धविर
तिविज्ञानी॥ जगसिरजनिजगपालनहारीजगनाशनि
तोहिंश्रुतिनबखानी। करिशशिमौलिहृदयनिजआश्रम

सहितमहेश्वरहेमहरानी ९९ ॥ तूसमकोसमरथमहरा-
नी । बरदायनपरगतिपारायनशीलकृपाकीखानी ॥ ए
कौबातबनैकहुँधोखेदृढ़करिउरनिजआनी । सोफिरिको
टिकरैकेतनौअघतेहितिनकौनाहिंमानी ॥ जहँजहँगाढ़
परोदासनकोसकुचौअवसरजानी।कीन्हसहायततक्षण
ताकीहरीसकलगिल्यानी ॥ असजियजानिजपैनहिंजो
जड़तासोंकोअज्ञानी । जनपालनपोषनपरितोषनमहि
मावेदबखानी ॥ पूरिरह्योब्रह्मांडसुयशतवधर्मध्वजाफ
हरानी । बसौसदाशशिमौलिहृदयबिचसहितमहेशभ
वानी १०० गयेजबशिवमणिमयमाड़ौतर । देख्योता
हिमहाआभरणयुतहै बिरचोजनु बिसुकरमाकर ॥ म
हारजतकेखंभविराजैं मुक्ताहलतोरणछबिछाजैंमानिक
दीपप्रभाबहुसाजैंसुवरणतारपत्रनछायोवर । बोलेशं
भुसुनो हिमराजाबड़द्रव्यतुममाड़ौसाजा आगे जेकरि
हैंयहकाजाकहँपैहैंइतनीसंपतिनर ॥ तातेममबचननम
नलावोकुशबाँसनसेमाड़ौछावो द्रुमकदलीकेखम्भगड़ा
वोतोरणपत्ररसालमनोहर । प्रणतपालकेवचनसुहाये
सुरनरमुनिसबहिनमनभाये गिरिहिमवानचरणशिरना
येसोइकीन्हयोआज्ञाजोकहयोहर १०१ गेकैलासमहे
श्वरधावन । जाइकह्योकदलीरसालसोंआयेतुम्हेंहम
वेगिबुलावन॥सुनिधायेआयेशरणागतबोलेबचनबिनी
तसुहावन । जेतनभंगहोइहैहमजड़कोजोप्रभुकेकारज
कछुआवन॥हैपरन्तुअसमंजसप्रभुयहुजबऐहैकलिका
लअपावन । तबबिनकाजकाटिहैंहमकहँनरमनिहैंनाहिं

वेदसिखावन ॥ प्रथमक्षेवमेरेमाथेपरदूसरहरनिजशीश
चढ़ावन । तीसरक्षेवबिरंचिधरैशिरजोकुठारबिनकाज
चलावन ॥ मुनिशिरनाइबनेमाड़ौबिचकोउडीवटिकोउ
खंभसेरावन । कोशशिमौलिसदाशिवकेसमदीनानाथ
प्रणतदुखदावन१०२शिवशोभानहिंजातिकहीरी । मा
थेमौरजटाजूटनकोचन्द्रछटाछबिछायरहीरी ॥ कुंडलश्र
वसोहैसर्पनकेदृगसमतामृगमीनलहीरी । चितवनिचा
रुचितैचिंताहरिचितकीसबसंदेहदहीरी ॥ बाँकीभृकुटि
भालभस्मांकितसुरसरिताशिरसोहिरहीरी । नासाकीर
कमलमुखमंजुलमाधुरताअधरनउमहीरी ॥ दाड़िमद
शनहसनिहुलसनिहियचुंबकचारुचिबुकबिरहीरी । का
लकूटकलकण्ठस्वइच्छितनरशिरमालहृदयउलहीरी ॥
करकोमलभुजदंडमनोहरनाभितौनगंभीरगहीरी । क
टिकिंकिणिकोपीनभुवंगमरतिपतिहितपदनेहनहीरी ॥
वृषबाहनबाघम्बरभूषणभूतसखासंगतिनिबहीरी । शृं
गशूलफरसापिनाकतेरहतसहाइसदासबहीरी ॥ सोहि
रहीनखतेशिखलौंसबजोआभाजेहिअंगचहीरी । हैश
शिमौलिजनकजननीद्वउदूलहशंभुउमादुलहीरी १०३
शंकरछबिनहिंजातिकहीरी । बिकटवेषपहिलेहीआली
अबजनुकामकलाउमहीरी ॥ कोटिकलंकरहितरजनीप
तिद्युतिअमोलउपमाउलहीरी । धनिगिरिजाजेहिचषन
चकोरनदरशलालसालागिरहीरी ॥ चिताभस्मतनगौर
बिशदवरअतिसुन्दरताआनिगहीरी । जनुस्वरूपशृं
गारकियेनिजराजिरहयोधरिदेहसहीरी ॥ कालकूटकृत

कंठसोइच्छितपरमरम्यनिरनैनिबहीरी। मनोमुकुरसंपु टकियअंतरनवलनीलमणिकांतिठहीरी॥ धनिहिमगि रिमैनाधनिपुरजनधनिह्यांकेबनबागमहीरी। शिवस्व रूपशशिमौलिअगोचरसोप्रत्यक्षदेखोसबहीरी १०४॥ ब्याह॥ हिममण्डपतरशिवगौरीबिराजतछबिसोंयकठौ री। इतअहिमौरमनोहरमाथेउतमणिमयमौरी॥ मन सिजशेषलज्योलज्जाबशरतिकीमतिबौरी। सोहैंसजे श्रृंगारसहेलीगौरीओसौरी॥ छबिसोंछत्रब्यजनकोउ धारेकोउलीन्हेचौरी। कन्यादानदियोमैनाहिमहोनल गींभौंरी॥बजेशंखशशिमौलिदेवपुरदेवनकीपौरी १०५ शिवसर्वज्ञसनातनस्वामी। अलखअगोचरअंतर्य्या मी॥ अरुजअकामअनघअबिकारा। प्रकृतप्रपंचपरे ब्यवहारा॥मनचितप्राणइंद्रिजितजोई। गिरिजैजातबि वाहनसोई॥ जगमगज्योतिजगैजगजाके। लाजैद्युति रबिशशिछबिलाके॥ देखिझलकझपकेमुनिनैना। आरतितासुउतारतमैना॥ जासुदरशदुर्लभजगमाहीं। ध्यानौंमेंकोउपावतनाहीं॥बिबिधयतनयोगिनउरभ्राजैं। गिरिमाडौतरसोप्रभुराजैं॥ यमकुबेरकिन्नरगंधर्बा। सु रनरनागचराचरसर्बा॥ सबसोंआपनेचरणपुजावैं। सोगणेशपूजालौलावैं॥ सँहरणशक्तिकालजहँपावै। पा लनशक्तिबिष्णुपुनिलावै॥ रचनशक्तिजासोंबिधिलेवैं। कन्यादानतुहिनतेहिदेवैं॥ परशुपाणिडमरूयुगजाके। मोहितजीवसकलवसुधाके॥ जोरिपाणिजेहिजपतखगे शा। पाणिग्रहणसोकरतमहेशा॥ जेहिअज्ञानिशिदिन

सहिशरमा । करतभानुध्रुवकीपैकरमा ॥ मुनिवरयतन करतजेहिलागी । भाँवरिफिरतसोइहैअनुरागी ॥ मखज पतपतीरथअस्पर्शन । अगमअगोचरजाकोदर्शन ॥ अलखजाहिश्रुतिकहतपुकारे । बैठमग्नसोंमैहरद्वारे ॥ सकलपुण्यफलनृपजेहिअर्पैं । तपतीरथफलसिद्धिसम पैं ॥ संतसदानैवेद्यलगावैं । ताहित्रियालहकौरिखवा वैं ॥ अजअद्वैतअमलअविकारी । चिदानन्दईश्वरत्रि पुरारी ॥ जोशशिमौलिसबनसोंन्यारा । करतसगुणली लाविस्तारा १०६ धनिगिरिजातुवचरणसुहाये । जासु कृपाकिन्नरसुरनरमुनिमनमानेनिजानिजफलपाये ॥ सेव तसुकृतसुलभसबहीविधिमुदमंगलगुणजातनगाये।ज हँलौंजौनपदारथातिहुँपुरलहतसहतचरणनचितलाये॥ श्यामपृष्ठिपावनयमुनासीनखद्युतिगंगछटाछबिछाये । शारदरंगअरुणतलसंयुततीरथराजविदितमनभाये ॥ ध्यानधरतसुमिरतअवलोकतत्रिविधकर्मभागतभयखा ये।तेपदआजुप्रक्षालतहिमगिरिसुखशाशिमौलिनजाइ गनाये१०७जाकोवेदनपावतपार। सोगिरिजाशिवव्या हरचोनिजयथाविश्वव्यवहार ॥ योगिनयोगध्यानकरि कबंहूँपायोदरशउदार। मंडपतरबैठाइतुहिनगिरिपूजत बारंबार ॥ संन्यासीलैदंडजासुहितबिचरतविपिनविहा र। उमाशंभुसोइफिरतभाँवरीप्राकृतकीअनुहार ॥ कंद मूलफलअशनकरतमुनिजेहितपतजिमदमार।ताहित्रि यालहकौरिखवावतबैठेमैहरद्वार ॥ बंधमोक्षपदजाहि विदितविधिकरिशशिमौलिबिचार। गठिबन्धनकीरीति

करततेहिमातुपिताअतिप्यार १०८ शिवगौरीबरव्याह
रचोहै। जगदीश्वरजगदम्बजक्कहितजगव्यवहारबिम
लबिरचोहै ॥ हिमआंगनमणिमयमण्डपशुचिविशुक
र्मजेहिलाजलजोहै। ताकेतरभइभीरसुरनकीठौंरठौर
आनन्दमचोहै॥ गणपतिअग्निबरुणपृथिवीपुनिसकल
सुरनविधिवतअरचोहै। धर्माचरणरीतिकुलकीसब
कीन्हविविधविधिजौनजचोहै ॥ कन्यादानदियोमैना
हिमपाणिग्रहणतवशम्भुसचोहै। लागींहोनभाँवरीअ
तिहितसोसुखजातनहींवरचोहै॥ नेगनिछावरिदानअ
नेकनदेखिजिन्हैंत्रयतापतचोहै। याचकजोतेहिक्षणते
हिसुरबिधितबसोयाचकतानखचोहै ॥ बाजैपणवशंख
दुन्दुभिनभनाकनटीबरवृन्दनचोहै। बर्षतकुसुमावलि
सुरकिन्नरउरपुरप्रेमललकललचोहै॥ जौनजथरयमह्मा
रजहांजोनिर्गुणमहँपुनिजाइपचोहै। सचरअचरशशि
मौलिसमयतेहिआनँदसोंकोउनाहिंबचोहै १०९ जोमू
लमहाउतसाहकी। जयबोलियश्रीगणनाहकी॥ मर्य्या
दजोविश्वप्रपंचकी। प्रियआरतिकीजैबिरंचिकी॥ पा
लनजेहिसबजगजीजियै। प्रियआरतिहरकीकीजियै॥ जे
हिराजअमरपुरदेशकी। प्रियआरतिकरियसुरेशकी॥
सुरसिद्धधुन्धयमकालकी। प्रियआरतिभूतबैतालकी॥
नन्दीयुतअनमितभुवंगकी। प्रियआरतिकीजैगंगकी॥
हितमन्त्रसखाअरुनातकी। प्रियआरतिसकलबरात
की ॥ करुणाजेहिविपतिविदरती। शंकरकीकीजैआ
रती॥ शशिमौलिसकलसुखपाइहै। यहआरतिजोनि

तगाइहै ११० शिवगिरिजामंडपतरराजै। अद्भुतदेखि
मनोहरजोरींकोटिनिकामसहितरतिलाजै ॥ पितुमाता
त्रिभुवनकेदोऊअजअद्वैतसगुणछबिछाजै । लोकअ
चारकरैंयाहीतेसोजोछैगेहीसुखसाजै ॥ हिमनगरीओ
देवनगरमहँशंखपणवदुन्दुभिबहुबाजे । द्वउदिशिनृत्य
कारनिरतैंपुनिसँगलीन्हेनिजअमितसमाजै ॥ हंसचढ़े
बिधिविष्णुगरुड़पुनिइन्द्रचढ़ेऐरापतिगाजै। करैंसकल
सुमननकीवर्षाजयधुनिमुखअरुआनँदआजै ॥ मागध
सूतबजनिहानेगीआशिषवचनविबिधउपराजै । नेग
निछावरिक्षणप्रतिपावें देखितिन्हैंदुखदारिदभाजै ॥
मंगलगानकरैंपुरकामिनि कोकिलपिकसोंसरिसअवा
जै । जनशशिमौलिबिवाहबहानाशिवगिरिजाजनदी
ननिवाजै १११ हियहरषेंपुलकैंसखियांसबबैठउमा
शिवमैहरद्वारे । ललकिललीलहकौरिखवावैंप्रेमउमैं
गहिरदेबिचधारे ॥ लीलाललितनिरखिताक्षणकीको
टिमदनरतितनमनवारे । पंसासारिखिलावैंनारीशील
सनेहसकोचसँभारे ॥ मंगलमयमृदुवचनवखानीगिरि
जाजीतीशंकरहारे। देउहरियाकीरीतिभईपुनिदीपकबा
तिकमलकरटारे ॥ मनमुसुकाहिंमहेशभवानीगृहव्यव
हारविचित्रनिहारे । देव्यापाईलगावैंशिवसोंजेहिनावैं
शिरसुरमुनिसारे ॥ सुरतरुसुमनसकलसुरबरषैंबाजैंसुर
पतिनगरनगारे ।लोकाचारकियोयाबिधिसोंशिवगिरि
जाजगसिरजनहारे ॥ भैशशिमौलितिहूंलोकनकेतेहि
अवसरसबजीवसुखारे११२॥आनाएकबालककाक्षुधावश॥

शैलपतिबालकएकक्षुधावशव्याकुल शिवबरातसोंआ
यो । भोजनहितरोदतलखिलोगनतेभीपवँरिपठायो ॥
सुनिहिमशैलसुबारनसोंकहिबहुमिष्टान्नमँगायो । ज्यों
हींआनिधरोताक्षणतेहिखातबिलम्बनलायो ॥ मनमु
सुकाइकहैंपुरजनसबहैदुखियाकोजायो । लपसिनसंग
मलफलदुर्लभकबहूंनाहिंअघायो ॥ व्यंजनबिबिधभां
तिबहुधरितबकंचनथारभरायो । रखवायोसमीपतासुत
केमोहमहाउरछायो ॥ कीन्हअहारथारसंयुतसबहिम
गिरिअतिरिसआयो । रुखनिहारिभंडारिनतबतेहिलै
भँडारपहुंचायो ॥ लगींबिबिधव्यंजनकीढेरैंकाहूअंतन
पायो । पकरिपाणिपरसनहारेसबतामेंताहिलगायो ॥
चारिभांतिभोजनछैयोरसजहैंलौंजोदरशायो । क्षणमें
लियोसोकिसामासबनिरखितुहिनघबरायो ॥ हौतुमासिं
धुपवनपावकरबिकीरबिसुवनसुहायो । कोटिनसुरनरना
गरसोईयकक्षणमाहिंबिलायो॥मैंलघुसुतसेवकशंकरको
तासुनभूंखबुझायो । औरनकेज्योनारकह्योकिमिअस
कहितुरतसिधायो ॥ रोदनकरतआयोशंकरढिगकहब
रातयहलायो । गइसँभारिनहिंमोंरिक्षुधाजहँकिमिगिरि
राजकहायो ॥ हँसेबहुतअवघड़दानीशिवपाणीपरांसि
जिवांयो । रहेदुखीशशिमौलिनकबहूंयहपदप्रातजुगा
यो११३शोचतशैलसुनोसबकोई । ओहिवरातकोबालक
ऐसोतेहिज्योनारकहौकसहोई ॥ कोटिनसुरकिन्नरनरव्यं
जनकरिअहारबैठोमुखधोई । .गेसबसोकिसरितसरपा
नीबस्तुसकलबहुडारिसिखोई ॥ सुनतनगरवासीबिस्मि

तसबसहमिसकुचिभ्रमभाषतरोई । हैंतेहिनाहिंबराती
हरसँगकालकलेवरसबहैलोई ॥ देखेसुनेव्याहबहुतेरे
ऐसिबरातनकाहूजोई । कीन्हकठिनतपताहितगिरिजा
ऋषिनारदमायामतिभोई ॥ कोउकहैप्रबलप्रलयकिंक
रयेकोउकहैयमजगभक्षकजोई । पावकपुरुषरूपकरिको
टिनकोउकहैआइबिराजोसोई ॥ हरषविषादव्यक्तजग
दम्बाजानिगईशंकरगतिगोई । दीन्हचितैशशिमौलि
भँडारनभइपरिपूरितसकलरसोई११४कोवरणैज्योनार
सरसरचनाभली।शोभितविधिअरुविष्णुसहितसुरमंड
ली॥मधुरसुरनप्रियगारिसबैगावैंअली। बढ़तबरातिन
प्रेमपरमपुलकावली॥भाषतबंदीवेदविनयबिरदावली।
धनिमैनाहिमवानधन्यहिमकीलली॥करिआचमनबरा
तसोजनवासेचली।दरशकाजशशिमौलिसबैठाढ़ेगली
११५॥ बिदा॥ होतबरातबिदाशंकरकीप्रेमपुलकिपुरज
नसबधाये। कहतपरस्परपुरनरनारीधनिहिमगिरिकेभा
गसुहाये॥ अजअविकारअलखअखिलेश्वरशिवजाके
जामातृकहाये।हिमनगरीकेजीवजहांलौंजाइनकोटिबद
नगुणगाये॥सफलभईसबहिनकीकरणीगंगाधरकेदरश
नपाये।लैलैलेहुल्लाहलोचनभरिफिरिहोइहैनहिंकछुपछि
ताये॥हैदुर्लभदरशनशंकरकोजनशशिमौलिकहैघरआ
ये११६ शंकरसमनहिंदेवअनन्य । अजअनादिअखि
लेश्वरईश्वरईश्वरमानतपुन्यं ॥निराकारनिर्लेपनिरंजन
निर्विकारब्रह्मन्य । काशीपतिपूरणपरमेश्वरपरमानन्द
प्रसन्य ॥ रविशतकोटितेजतनछाजैछबिज्योंविमलहि

रन्य। करडमरूअहिमालहृदयबिचसुखशोभासंपन्य॥
शिरसोहैशशिमौलिनिशाकरसुरनरनागशरन्य। सोजा
कोजामातृकहायोहिमसमानकोधन्य ११७ जाततुहिन
शिवकोपहुंचावन। बारबारफेरतअखिलेश्वरफिरिफिरि
चलतनमानिसिखावन॥ नाथदरशदुर्लभसबहीबिधि
जड़मूरतिमैंसहजसुभावन। कैसेतजौंलाहलोचनकोभ
वमोचनतुवसंगसुहावन॥ सुरमुनितुवमहिमानहिं
जानैंमैंतोमूढ़बिबिधसबठावन। भैअगणितअवगुणअ
घमोसोंकरियक्षमाजनदोषनशावन॥ दायजदेउँकहाक
रुणानिधिसबलायकतुमजगयशपावन। टहलकाजक
न्याकिंकरियहराख्योशंरणप्रणतदुखदावन॥ सुनिहिम
गिरिकेबैनबिमलबरतोषेशिवत्रिभुवनमनभावन। की
न्हबिदाशशिमौलिश्वशुरकहँ जबतबकह्योनगरनिज
आवन ११८ मातहिंमिलतशैलसुकुमारी। बारबारभेंट
तिप्रेमातुरमोहविवशतनसुरतिबिसारी॥ बिछुरतबच्छ
गऊगतिजैसीतैसहिदीनदशामहतारी। धीरनधरतढुर
तअँखियनजलपुनिपुनिलेतगोदबैठारी॥ आयेगृहगि
रिपतितेहिअवसरधाइउमाकियोरोदनभारी। लीन्हला
इउरशैलसुतानिजमोहमनोबैठोतनधारी॥ प्रियपरिज
नपरिवारकुटुँबातियअरुपरोसबासिनजोनारी। बालाप
नपुनिखेलीजिनसँगसबनमिलीहिमवंतदुलारी॥ प्रबल
बियोगबिथादारुणादलछाइगयोरनिवासमेँभारी। जन
शशिमौलिसमयमंगलमयतुहिनसुतासपुरारिसिधारी
११९ पतिसेवाकरियेमनबचक्रम। क्षणप्रतिप्रेममगन

रहियेतेहिचितमेंमतिरखियेतिनकोश्रम ॥ स्वामीसुख
हिततनमनधनसबतृणसमजानियज्योंबुधिविक्रम। आ
ज्ञाभंगकरियनहिंसपनेहोइचहैअतिहीदुखपैश्रम ॥ है
अतिकठिनपतिव्रतकोतपकरतप्रशंसयतीगृहआश्रम।
सोइशशिमौलिकरीजेसाधननहिंदूसरकछुयासमसदक्र
म १२० जेहिपतिदेवताकोभाव। सोत्रियातिहुँलोकपा
वनवदतविधिकरिन्याव ॥ पदप्रक्षालनआचमनपुनि
दातुइनिअस्नान । चन्दनअक्षतपुष्पदलसोंपूजेविधि
अनुमान ॥ धूपदीपसमर्पिआगेधरैशुचिनैवेद । बारि
बीराव्यजनचामरहरैपुनिपदखेद ॥ जीतेजीवैसोयेसोवै
पैठेपीवैनीर । हेरेहेरैनेरटेरैगाढ़ेराखैधीर ॥ दुखदुखीसु
खसुखीपतिबिनऔरनहिंआधार । होयनहींरुखविमुख
सपनेबाढ़ैक्षणप्रतिप्यार ॥ स्वामीकोनहिंजोवैजबलोंजा
नेमिथ्याकाल।कैसहूपतिहोवैनिर्गुणदेखिदरशनिहाल ॥
अनखआलसविविधविग्रहक्षोभछलकोथमभ।मूलसहि
तउखारिउरसोंकामक्रोधरुदम्भ॥ सहजहूकहैनाहजोक
छुमानैदृढ़विश्वास।त्रासहूजोदेइस्वामीहोयनकछूउदास।
होसलज्जसुलक्षणीतुमसूक्ष्मक्रियाशिरमौर।करैयहशशिमौ
लिशिक्षाजकहितहैगौर १२१ बाजिडिमिगडमरूकहिं
आज। सुरनरनागयक्षयमकिन्नरमोह्योसकलसमाज ॥
विद्याधरगंधर्वगुणीजनजेगायनशिरताज। आयेशरणा
गतशंकरकेउरपुरप्रेमविराज॥नाकनटीधाईधीरजतजि
भूलभवनसुखसाज । शंभुनिकटनिरतैलागींसबपरिह
रिसुधिबुधिलाज ॥ मदनश्रवनसुनिशब्दसमयतेहिरति

गृहतेउठिभाज । गिरिकैलासगयोजबलौंनहिंसमुभ्भयो अमितअकाज ॥ दुखवारिदबूड़ेजहँलौंजेचढ़ेप्रमोदज हाज ।। हैंशशिमौलिउमाशंकरदोउपरमगरीबनिवाज १२२ ॥ शिवडमरूदेखोफिरिबाजी । तीनोंभुवनभरीम धुरीध्वनिधीरजताउठिभाजी ॥ छकेदेवनरनागयक्षयम थकेभानुरथवाजी । सकैनडोलिपवनपानीजसमोहेसक लसमाजी ॥ सोहेसभासुरपतिसुरसंयुतव्यजनछत्रछ बिछाजी । श्रवणसुनतयोगीबनिबैठोमूँजीमेखलसा जी ॥ योगीयतीजपीजलशयनीसंन्यासीगृहकाजी । भुलेदेहदशासुधिसबकहँहियकछुऔरबिराजी॥ जहँलौं अंडरचितरचनायहसबकीसुधिबुधिलाजी । शिवशशि मौलिमोहनीविद्याडमरूसों उपराजी १२३ डमरू बजीशशिधरभालकी । कहिनहिंसकतशेषहारोहियदे खिदशातेहिकालकी ॥ करतरहेउच्चरनचारुमुखबाणीवे दाबिशालकी । हबेगेचकितचहूंकितचितवतसुनिधुनि अटपटचालकी॥ श्रीसमेतंश्रीपतिसुरपुरमेंरचतरीतिप्र तिपालकी। श्रवणसुनतऔरैशोभाभईनीरजनयनरसा लकी ॥ निर्ततनाकनटीअमरावतिलागिसभासुरपाल की । मोहिगयेगन्धर्वगुणीसबसुधिबिसरीसुरतालकी ॥ थकेपवनपानीपघिलेगिरिशिथिलशिखाभइज्वालकी । छकितभयेनभक्षितिमुरछितमतिभूतप्रेतबैतालकी॥ कों पकृपानकटीजिनकीबुधिब्रशंभेकामकरालकी । कैगेज्ञा नमगनतेहिअवसरगतिभूलीभ्रमजालकी ॥ ठगेभानु शशिडुगेदिवसनिशिसजलघटाघनमालकी। प्रेमबिवश

तनमनकीसुधिबुधिउड़िगईउडगणजालकी ॥ कहैकथा
शशिमौलिकहांलोंसुरनरकिन्नरव्यालकी । सारीसृष्टि
छलीतेहिअवसरक्षितिअरुगगनपतालकी १२४ ॥
बन्दनाहिमवकैलास ॥ धनिहिमगिरिधनिधनिकैलास ।
शैलसुताशिवकेआश्रमजहँविरचितबिबिधविलास ॥
इतसखियांशुचिसुमुखिसुलोचनिसुखशोभाकीरास । उ
तबैतालभूतप्रेतादिकप्रमुदितप्रेमप्रकास ॥ इतस्वरूप
वंतीरानिनसोंसोहिरहघोरनिवास । उतसुरसिद्धसमाज
समागमशोभितआसौपास ॥ इतअतिरुचिविचित्रमह
लनमेंपुरजनकरतनिवास । उतबनबेलिनकेबितानतरु
बसैंशंभुकेदास ॥ इतशिविकासुखपालसुखासनउदय
दिव्यआभास । उतनन्दीबाहनबिशालवरहरणत्रिबिध
तनत्रास॥दोऊएकस्वभावएकरसइकस्वरूपविश्वास।भ
जुशशिमौलिउमाशंकरसोइकरिदुबिधाभ्रमनास १२५
लखुनवमेघनकीअनुहारें । कोकीमोरमहामधुरीसुरनि
रततनवलपुकारें ॥ गिरिकैलासशिखरकेऊपरबनबेली
अधिकारें । फूलेफूलिरहेचारोंदिशिभ्रमरकरतगुंजारें ॥
डोलिरहीअतिहीआनँदसोंशीतलमंदबयारें । गिरिच
हुंफेरगंगकीलहरैंत्रिभुवनतापनिवारें ॥ ठौरठौरसोहैंशु
चिआश्रमदेवसदनहियहारें । तिनमहँबसैंतपिशाचप्रे
तगणगावतमगनमलारें ॥ बनवासिनपरतोषिपरस्पर
बिग्रहबैरबिसारें। ऋषिसादर्शसरिकाशुकसबशंभुसुयश
उच्चारें ॥ वैठेबटतरध्यानधरेशिवजबतबनैनउघारें । ध
निशशिमौलिनिवासीह्वांकेजिनकीओरनिहारें १२६ बो

लैंपिकचातकमोर।जनुव्याकरणिनकेबालककरतसूत्रहितशोर॥ लहकेललितलताद्रुमवृंदनभुकेफूलफलभार। नयेप्रखरविद्याकरमानौंविद्यारथीउदार॥ घनघमंडितरजैगरजैनभकरैकुलाहलघोर। शास्त्रअर्थजनुबुधमंडलमहँहोतअनेकनओर॥ परतबड़ेबड़ेबूंदचहूंदिशिआइरहीबौछार।उत्तरप्रतिउत्तरबचननमहँमानहुंपरीपुकार॥ गिरिकैलासमध्यनंदीगणसहितगणनआनन्द। जनुमध्यस्थसहितश्रोतासबहर्षितसुनिसुनिछन्द॥ मेघनकोसुनिशब्ददादुरनझिल्लिनरटनिलगाव। जनुतेहिमंडलकीसराहनाकरतसुजनचितचाव। भरेखेतउमहेसरितासरहरषेजलकेजीव। छकेसिद्धउमँगेबाचकजनुकबिनबिलासअतीव॥ फूटिकियारिगईखेतनसोंबहत्तगलिनजलकाग। जनुविद्याकोबोधमुखनसोंश्रवणनश्रवणनभाग॥ महातिमिरितायोतिहिदामिनिलसतबहुरिछिपिजात। अज्ञानिनउरज्ञानयथारथप्रबिशतपुनिबिलगात॥ पांतिपांतिबकंउड़तगगनंपरअरुखद्योतउजेर। जनुबड़सुयशबड़ेबक्कनकोअलपअलपगतिकेर॥ बिकलचकोरचंद्रकिरणनबिनचकचकईहरषाइ। बिनबिद्यापछिताइयथाविधिविद्याधरहुलसाइ॥ अगमपंथपावसऋतुमेंलखिपंथिनआश्रमकीन्ह। जनुसंन्यासकठिनलखिबुधजनगृहमारगचितदीन्ह॥ प्रबलघटाकीबाढ़िजानिजियरैनिभईअतिकारि। ज्ञिमिविद्याअपमानकियेसोंचितकीद्युतिअँधियारि॥ लागीबहैबयारिबड़ीजबचलामेवदलभागि। जिमिविद्याअनुरागगयोउड़ि

यतनजीवकालागि ॥ प्रकटेअमितजीवजलचारीजल
महँकरतकल्लोल । जिमिबुधजनकेबालवृंदबहुविद्यामा
हिंअडोल ॥ उदयधनुषआकाशमध्यलखिनरनारीहुल
साइँ । भृकुटिबिलासदेखिकोबिदकेपढ़नहारहर्षाइँ ॥ प
रतनदेखिनक्षत्रएकहूघनकेपटलमँभार । ब्रह्मबिचार
कियेअलखितजिमिसकलद्वैतबिस्तार ॥ बारिसमूहभ
रेखेतनमेंधानगुप्तह्वैजाइ । जनुबहुविद्याकेबिलासमें
आशासकलसेराइ ॥ वर्षाऋतुकेजीवजंतुबिचइन्द्रवधू
चमकार । जनुव्याकरणिनकेमध्यमेंनैयायिकअधिकार॥
प्रबलबयारीबहेंदिवसनिशिथूनिचुवैंछातिछानि । विद्या
दानदेतनितत्योंहींरहतनरोकीबानि ॥ करिशृंगारनगर
नारीसबभूलैंभूंकहिंडोल । ज्ञानागिराज्योंविद्वाननमुख
भूलतअमितअमोल ॥ ऋतुपावसउत्साहसमुभिजो
गावतसकलमलार । जनुशशिमौलिसकलविद्यापढि
भाशिवनामअधार १२७ हमेंहिमनगरीमनमानीजहँ
प्रकटउमामहरानी ॥ कहुँएकंचरणमुनिठाढ़ेकहुंतपतत
पीतपकाढ़ेकहुंप्रेमपुलकतनुबाढ़े धरिध्यानमगनमुनि
ध्यानी ॥ कहुंफूलिरहीफुलवाई कहुंफैलिरहीअमराई
कहुंसरितातालतलाई भरिशीतलजलउमड़ानी ॥ कहुं
हरितलताद्रुमकुंजें कहुंभवँरकमलद्रुमगुंजें कहुंशुकसा
रिकपिकपुंजेंकरैंकूकमहामृदुबानी ॥ कहुंमृगतनधरिसुर
डोलें कहुंह्वैपक्षीबनबोलैंकोउभेदनआपनखोलेंरहैंगुप्त
हर्षउरआनी॥शशिमौलिकहैंजेहिनामाजपिजीवलहैंत्रि
आमासोआपबसतजेहिग्रामासके महिमाकहिकोप्रानी

१२८हिमनगरीत्रिभुवनसोंन्यारी जनीकोटिब्रह्मांडनकी
जहँप्रकटभईगिरिराजकुमारी॥मातापिताप्रजामंत्रिनके
नितनवहर्षहृदयअधिकारी। मंगलबस्तुबसीसबकेगृह
नवनिधिलाभलहैंनरनारी॥ कुलकुटुम्बपरिवारजहाँलों
दुखसपन्योनहिंपरतनिहारी।ऋधिसिधिसकलखड़ींपवैं
रिनपरपरीगलिनबिचसंततसारी ॥ तोरनध्वजपताकरं
भातरुकंचनकलशभरेबरबारी। घरघरद्वारद्वारदीपतइ
मिबिश्वकरमाबिस्मयउरधारी॥रचेरागरचनाकाहूदिशि
मचीमृदंगनकीरवकारी । स्वांगरुनाचसजेकतहूंपुनिप
रमकुतूहलनगरमँझारी॥ मणिमाणिकमुक्ताकंचनमयगृ
हवीथींचौहटचौपारी।सरसरिताबनबागमनोहरत्रिबिध
बिमलबरबहतबयारी ॥ बापीकूपकुटीसंतनकीशिखरगु
फाअस्थलफुलवारी।ठौरनठौरहवनपूजामखरटतउमा
शिवकोमुनिझारी ॥ वेदउपनिषदतंत्रपशुपतिमतपढ़त
गुणतपुरसुवनसुखारी। अपरसकलबिद्यानिधानसबयो
गीयतीतपीआचारी॥नानांअस्त्रशस्त्रंधारणकरिकेंरैंसुभ
टपुरकीरखवारी। बृषभधेनुमहिषीमंदिरप्रतिहयगयसब
स्यंदनअसवारी ॥सबअरोगसंदेहबिगतसबसबसप्रेम
आनँदउजियारी।वेदपात्रधनपात्रपात्रगुलकतहूंकलह
नबिग्रहकारी॥ भोजनबसनबासबाहनधनघरघरपावत
भीखभिंखारी। जलचारीथलचरनभचरसबसुखीसमय
अनुकूलनिहारी॥सुरनरनागकहतपुरमहिमालहतनअं
तरहतमनमारी । तेहिशशिमौलिकरैकिमिवरणनप्रकट
आपजहँसिरजनहारी१२९आजशिवबनबनोहैबसंती।

कुंदापियाबासबेलीचमेलीमनुपुरुषतियबेषभूषणसजंती
झमकिझाड़ीभुकेझूमिनवपल्लवनसोईरम्भामनोरूप
वंती । पवनवशडोलैंशाखाललताल्लिहलहैंसोईजनुनृत्य
छबिसोकरंती ॥ बोलैंकलकंठशुकशारिचंडोलपिकगान
जनुगायननसोकरंती । भ्रमरधुनिमन्दघहरायनकोकि
लजबैमंजीरमिरदंगमानौबजंती ॥ सरनमेंपरेपलाशआ
दिकेपुष्पओढ़िसोइरंगकुंडमानौभरन्ती । मज्जिदन्तीसु
जलसोंशुंडतजैजबसोईजनुरंगपिचकाचलंती॥ पुष्परस
ओसबशबूंदबूंदनचुवैंताहिलैबायुइतउततजंती । ढैरही
दिवसनिशिरंगबरषासोईचहूँकितललितरचनारचंती॥
कमलाकीधूरिअलिवृन्दमुखतेझरै कदलिकरपूरलैखग
उड़न्ती । अरुणसितसोइअबीरआदिअद्भुतमनौसू
रशशिसाँझशोभालसन्ती ॥ निरखियहछबिरसालआ
दिबौरेभयेकूटऋतुराजललनालजंती । कहैशशिमौलि
शिवउमासुखदैतजोतौनबनकीकथाकोकहंती १३० आ
योदरशनहितऋतुबसन्तबैठेजहँशिवगिरिजाअनंत ॥
उरप्रीतिउन्नताकोउमंग । पिचकारिभरेदृगप्रेमरंग ॥
कियेईशबिरहबशपीतअंग । यहिभांतिपरोचरणनतुरं
त ॥ पियबासचमेलीकेसुमाल । गुँधेकुन्दनबेलिनकेसु
जाल ॥ पहिरायोनिजकरकमलनाल । हरषेहियगिरि
सुकुमारिकन्त ॥ लायोबलकलरँगमेंरँगाय । बांध्योतेहि
कटिकोपीनआय ॥ पुष्पाभरणउरलसिबनाय । छबिदे
खिहँसेसबसाधुसन्त ॥ तेहिअवसरकोसुनिसमाचार ।
धायेसुरकिन्नरउरउदार ॥ भइरागरंगरचनाअपार । ल

खिठाटसोमोहेजीवजन्त॥ गन्धर्बनबीनमृदंगसाज। कि
योतालसुरनसमऊपराज॥ डम्मरूपुनिताकेमध्यब्राज।
सोशब्दसदासबकोरुचन्त॥ गायोतबबिद्याधरनंछन्द।
निरतैंरंभादिकच्छन्दछन्द॥ नन्दीसुरहियअतिहोंअन
न्द। लैभस्मशिरनसबकेलसन्त॥ गिरिजाशिवपदपा
थोजधूरि। शतकोटिअबीरनकीजोमूरि॥ शशिमौलि
कहैजेहिहगनपूरि। तेहिभागप्रशंसाकोनअन्त १३१
होरीखेलतऔघड़दानी। सँगसोहैउमामहरानी॥ भृं
गीगौरीशबजायो। सुनिशब्दसखासबधायो॥शिरनाय
रजायबिचारी। करैंलागकुलाहलभारी॥ कोउशृंगीना
दबजावै। कोउशंखपणवरवछावै॥ डमरूमिर्दंगनगारे।
गरजैंघनइन्द्रअखारे॥ सांगीतमधुरसुरगावैं। सरिग
मकेबोलसुनावैं॥ तिरवटधुनिजबउपजावैं। जनुअमृ
तरसबरसावैं॥ सुनितांडवनृत्यसोहायो। सुरकिन्नर
देखनधायो॥ लखिदेहदशासुधिनाहीं। हियनेहनदीउ
मड़ाई॥ शंकरपदरेणुसुहाई। शतकोटिअबीरसिहाई॥
सुरलैलैसबनलगाई।तेहिदामिनिदेखिलजाई॥ यहशंभु
उमाउत्साहा। रँगप्रेमप्रमोदप्रबाहा॥ शशिमौलिकहै
जेहिंदेखा।भयोजीवन्मुक्तबिशेखा१३२॥पदबिनय॥ गिरि
जापतिबिपतिहरणराखोपतिमेरी। सोवतअरुजागतमें
शरणागततेरी॥ सुरमुनिनरनागसकलजीवनतनहेरी।
तुमहींकरिख्यालखबरिलेतसबनकेरी॥ दीननकेदानि
तुम्हैंवेदकहतटेरी। मेरेहितकाजकहांबैठेसुखफेरी॥ ली
न्ह्योमदमोहमहामत्सरमोहिंघेरी। हटकोप्रभुवेगिइन्हैं

क्रोधअनलप्रेरी॥मांगैशशिमौलिनसुखसम्पतिकीढेरी। दीजैनिज़भक्तिनअबकीजैकल्लुदेरी १३३ भजुगिरिजा पतिबिपतिबिदारन। अतरनतरनशरनअशरनकेसुरन सुखदअसुरनसंहारन ॥ भुजबलपाइसमरमाँग्योपुनि बानासुरसमकोअघधारन । हरसंग्रामबिपात्तिपरीजब धायेसहायकरनकेकारन ॥ लुकिरह्योबिप्रभठीभयसों जबजानिसुराकृतलागोजारन। तारकमंत्रसुनायोतहँते हिऐसोकोअतरनकोतारन॥ शंखासुरकेदनहरिलीन्ह्यो धर्मलगेसबशरणजुहारन । तंत्रबिरचिरक्षाकियोताकी अशरनपालप्रणतनिरधारन ॥ भयेअतिबिकलबिषम बिषसोंसुरकोउनसक्योतेहिकालउबारन। करिबिषपान सुधासमशंकरकीन्हसकलसंकोचनिवारन॥ असुरजलं धरअरुत्रिपुरादिकभेमुरछितक्षितिजिनकेभारन । दी न्हीगतिशशिमौलितिन्हैंशिवपापकियोजिनकोटिप्रकार न १३४ प्रातसमयश्रुतिचारिसदाशिवकीशरणागत आवै। अतिरुचिरुचिरचानिजनिजमुखबिरदावलि बिमलसुनावै॥ बैठेबाघंबरओढ़ेशिवसेवकइतउतधावै। सेवाजौनयोगजाकेजिमिकरतबिलंबनलावै ॥ शुचिसु बारिशुचिपरसिपरमहितमज्जनमंजुकरावै । कटिकोपी नकसैवलकलकेअहिकंकणपहिरावै ॥ नागपवीतसि धारिहृदयपुनिउरशिरमालसजावै। कोमलकरनजटाजू टनशुचिभालबिभूतिरमावै॥ गंधाक्षतपुष्पइच्छायुतकर दरपनदिव्यदिखावै । कोऊछत्रलैआनँदसोंकोऊचमर डुलावै॥ धूपदीपनैवेद्यसमैवाजंत्रअनेकबजावै। जल

पानादिकराइबहुरिपुनिकन्दमूलफललावै। तांबूलपूगी
फलसंयुतबीराबिमलखवावै॥ बिबिधभांतिभेंटैंआगेध
रिनीराजनदिखरावै। पुलकिपुलकिपैंकरमाकरिपुनिप्रे
मप्रमोदबढ़ावै॥नृत्यगानसन्मानसकलविधिवारबारशि
रनावै। यहप्रभातलीलाशंकरकीजेप्रभातनितगावै। बि
नपरिश्रमशशिमौलिसदामनवांक्षितफलतेपावै १३५
अतिप्रियमोहिंमूरतिमहेशकी। भालस्पर्शलोभिजेहि
सुरधुनिवशीभूतभैजटाकेशकी॥ काननकर्णसुमनसर्प
नकेशिरशोभितशोभानिशेशकी। नयनतीनत्रैलोक्यवि
मोहनहँसिहेरनिहरणीकलेशकी॥ हियमुंडनकेमालवि
राजतविमलभस्मभासैमृतेशकी॥ गरलकंठउपवीतभुवं
गमभंजनभयसबदेशदेशकी। करकपालडमरूत्रिशूलध
रकटिकिंकिणिरहिफविफणेशकी॥ अहिकोपीनव्याघ्रपट
अम्बरचरणध्यानगतिअगमशेशकी।वर्षतसुमनसराहि
सकलसुरदेखिदीप्तिकोटिनदिनेशकी॥ दरशनहेतुसदा
द्वारेपरहोतसभाविधिहरिसुरेशकी। शिवशृँगारशशिमौ
लिकहैकिमिठिठुकिरहतजहँबुधिखगेशकी ॥ सोइअर्द्ध
गउमाआकृतयुतबलिहारीअवधूतभेशकी १३६ शिव
मूरतिममचित्तबसीहै। मनुजमसानभस्मभारंकितबाल
बिमलशुचिसोहैससीहै॥ करनअरुणउरगनकेकुंडलजू
टजटाबिचगंगधसीहै।नयनतीनत्रिभुवनभयभंजनअध
रमधुरमृदुमंदहसीहै ॥ कालकूटकलकंठसाचिह्नितमुंड
मालहियमेंहुलसीहै। नागउपवीतविषमतात्रासिकत्रा
ससकलजेहिदेखिडसीहै॥करकपालडमरूअरुकटिबिच

अहिकिंकिणिकोपीनकसीहै।भूलैनमोहिंशशिमौलिचर
णरजधन्यध्यानदृगजासुबसीहै १३७ भजुमनगिरिजा
रमणमहेश । जासुंनाममनितनूतनगावतपावतपारनशे
श॥जेहिप्रतापलवलेशलाजबशद्वादशकलादिनेश।को
टिकोटिनवनीलघटाछबिछकितजटाकेकेश ॥ सुरसरि
सोहिरहीजाकेशिरपावनपुण्यप्रवेश। बसतसदाकैलास
शिखरपरकियेदिगंबरवेश॥भूतप्रेतबैतालसखाजेहिसु
न्दरसुवनगणेश। करकपालडमरूत्रिशूलधरसोहैशीश
राकेश॥ जाकोध्यानधरतनिशिबासरब्रह्माविष्णुसुरेश।
सोइशशिमौलिसहाइहमारोशंकरशमनकलेश १३८ भ
जुशंकरशरणागतपाल।डमरूधरफरसापिनाकधरगंगा
धरशशिभाल ॥ डमरूसोंकियोनादनादसोंवेदरचोतत
काल। वेदनकेबलसोंबुधिबिरच्योभवप्रपंचकेजाल॥फर
सासोंसंहारणकीन्ह्योत्रिपुरादिकबिकराल । तिनकेभय
सोंछूटिमगनभेसुरमुनिपृथिवीब्याल॥जबजबपरैभीरिभ
क्तनकोभयअत्यन्तबिहाल। गहिपिनाकरक्षाकियोतिन
कीक्षणमेंदीनदयाल॥ कलबिषकालकूटसमजिनकीहिय
बिचकीन्ह्योशाल।तिनकेकाजसुधासमसुरसरिशिरधरि
कियेनिहाल॥सोमसुकारसोमशोभानिधिसोमस्वरूपर
साल। शिवशशिमौलित्रयतापहरणहितधरोशीशबिधु
बाल १३९शिवमोहिंराखिलेनिजशरण। हौंमहाअपराध
कोनिधिआयोंताकितुवचरण॥ देतबरबसमुक्तिजबजेहि
होतकाशीमरण। तरैकाशीकोबिमुखजबजानोअतरणत
रण॥ तारिबोहैसहजजाकोशुद्धअंतःकरण। हौंअधमउ

द्धरणतवजबकरौममउद्धरण ॥ वदनसोंनहिंबद्योंमहि
मासुन्योंयशनहिंकरण।करिअतीअपराधमूरखचहतअ
घसंहरण॥ पापकृतपापात्मपापीपांपपोषणभरण। त्राहि
मेशाशिमौलिशंकरसर्वपातकहरण १४० सबबिधिंसोंमैं
अवगुणगाहक।शंकरसुरनपालबानातुवतातेतुमहींमोर
निबाहक॥ कोटिकरैंअघहोइशरणजोहोउनकबहुंतासु
अनचाहक। भस्मासुरसमकोअपराधीमुक्तिदीन्हिदेखौ
हैंदाहक ॥ बाणासुरपायोबरतुमसोंतुमहींसोंभयोरणको
गाहक । हरिसंग्रामविपत्तिपरीजबकियोउबारताकोल
हित्राहक ॥ ऐसेहौसमरथसबलायकभोलानाथपतित
उत्साहक। नहिंशशिमौलिकोऔरभरोसोताकोजोभूलो
तोनाहक १४१ शिवसर्वज्ञसदासबकेहित । काहूवृत्ति
बुद्धिविद्याबलकाहूसुखितसद्मनदाराबित॥ अमदअपार
अमोहअनघतनअजअविकारअमलइंद्रियजित। कवि
कोबिदबुधविबुधशेषश्रुतिपारनपावतगुणगावतनित ॥
जूटजटाबिचगंगछटाछबिकालकूटकंलकंठसोइच्छित।प
रमकृपालकृपाकेआगरसुखसागरसहशीलसरलचित॥
असुरसमूहजवासआदिज्यों शालीसदृशदासजितही
तित। लैंउदबोहितकाजदुहूंदिशिप्रकटप्रभावयथापाव
सकृत॥ अगणितपतितशरणतकिआयेलीन्हउवारिस
मानसितासित । हैशशिमौलिभरोसेतेरेताकीबारबिलं
बरहीकित १४२ भांभरनैयामोरीपारकरोप्रभुगाढ़ेसों।
वहैबहुसिंधुअगमअतिअधिकोबर्षाजलकेबाढ़ेसों ॥ठां
टपुरानोबांसखियानोजातवहीनैखाढ़ेसों। हैशशिमौलि

स्वामिअबयहिक्षणकढ़ततुम्हारेकाढ़ेसों १४३ नैया बिनगुणकीमेरिआइपरीमँझधार । यहभवसिंधुअपारअगमअतिसूझतवारनपार ॥ दिनहैथोरोसंगीनहिं कोईतापरपवनप्रचार । कामक्रोधकेकठिनकगारेमदजलकोअधिकार ॥ लोभकिलहरिमोहमकरादिकभ्रमकेभवँरहजार । यहिनैयाकोठाटपुरानोकांटाकीलाढिलार ॥ बल्लीबांसघुनेतखतासबकेवटहैमतवार । होतसहायसदासबहीकेनंदीकेअसवार ॥ अबयहिक्षणशशिमौलिहमारेतुमहींखेवनहार १४४ छाईदगनहमारेशिवपदकीधूरिहुधूरि । धूरिनहींवहमोहनमाया धोस्योजिननिजनैनरमाया शिवबिनताहिनकछुदरशाया वाहीछाबिगईपूरिहुपूरि ॥ पूरिदृष्टिजेहिउरअन्तरकी भूलीबाटविपिनअरुघरकी मगनध्यानपदरजशंकरकी जानतजीवनमूरिहुमूरि । मूरिसजीवनिसेअतिप्यारी पदपरागजगआनँदकारी बेध्योबाणविरहजेहिकारी ताकोसबदुखदूरिहुदूरि।दूरिरहैंकेतन्योबहुतेरे मेरेजानबसेनितनेरेजेशशिमौलिचरणकेचेरे ताकोसबसुखभूरिहुभुरि १४५ शंभुजीमैंतोअबशरणागतआयोंताकीलाजविचारो। मेरेअवगुणख्यालनंकीजैअपनीओरनिहारो ॥ अधमउधारणअतरणतारणयशगावतश्रुतिचारो।ह्वैहैनामबड़ोकरुणानिधिजोमोकोउद्धारो ॥नहिंजपयोगदानव्रतकेहमनहिंतीरथपगधारो।मोसमपतितकौनहैस्वामीतुमहींताहिउबारो॥यहभवसिंधुदुसहदुर्गमअतिताकोवारनपारो। जनशशिमौलिमहापापीकोकरगहिपारउतारो १४६ भजुभोलानाथ

पुरारीसुरनरमुनिआनँदकारी।जोचाउरचारिचढ़ायेसुख
देतमहामनभाये तेहिभ्रमवशाकैबिसराये मनमूरखनिप
टअनारी।जोरीभ्रमदारधतूरनकरिदेतमनोरथपूरनतेहि
त्यागिअबुद्धविसूरनसुखसम्पतिचाहतभारी। शशिमौ
लिअयाचकसोई गिरिजाशिवजापकजोईनहिंमिलतप
दारथकोईबिनशंभुकृपाअधिकारी १४७ शंकरनामउ
दारसदाजेहिसुमिरिसकलभ्रमभागै । करिजपयोगय
तनयोगीजनयुगयामिनिजोजागै॥ संसकारशंसोंसरो
जसुतसिरजतसृष्टिबिभागै। कमलापतिप्रतिपालकरन
हितकरतककारनुरागै॥ प्रबलरोषरोपितरकारसोंरुद्रसँ
हारनलागै । तीनोंदेवतिहूंअक्षरसोंत्रिविधकरमरसपा
गै॥ साविन्रीकमलारुद्राणीसंगनयकक्षणत्यागै । जन
शशिमौलिसदातिनहींसोंमनबांछितफलमांगै १४८शि
वशरणागतजोकोउआवै। कटैकोटिकलिकालकालिमा
मनमानेफलपावै॥ अहिमन्दिरमृत्तिकासानिजलजोपा
रथीबनावै । देहअरोगरहैताकेतितअतुलतेजछबिछा
वै ॥ सादरशब्दविमलमनसोंजोजलअस्नानकरावै।
संपूरणतीरथफलताकहँसुलभसदाश्रुतिगावै ॥ कैस
चेतचितकीचिन्तातजिचाउरचारिचढ़ावै।चारोंयुगयुग
धान्यमहाशुचिभवनभँडारभरावै॥तोरिबेलपत्रहिजोप्र
णसोंकरिअर्पणलवलावै।सुरतरुछांहछत्रतेहिऊपरदारि
दघ्रष्टिबचावै॥ दिव्यदूर्वाराखिशंभुशिरनितनयनेहल
गावै। बहुबिधिबढ़ैबंशताकोजगयशप्रतापअधिकावै॥
अरुणपीतसितश्यामसुमनसोंजोशंकरैरिझावै । फूलै

फलैफरैंनिष्कंटककमलकांतिदरशावै ॥ चिताभस्मलेप
नकरिशिवतनजोप्रमोदप्रकटावै । दहैंदोषदुखदुसहदी
नतादीप्तिअमितउपजावै ॥ चरचिचारुचन्दनवन्दनक
रिकांशीपतिहिजोध्यावै । शीतलशांतसदाताकोमनशु
चिसुगन्धसरसावै ॥ करिप्रचंडपावकपुरारिहितजोजन
धूपधुपावै । यहसंसारधूमधौराहरतेहिनहिंदुःखदिखा
वै ॥ करिआरतिप्रणतारतहरकीजैआरतचितलावै ।
दीपकज्योतियथाजसप्राक्रमप्रेमझलकझलकावै ॥ य
थाशक्तिआदिकव्यंजनजो नितनैवेद्यलगावै । सुधा
सरसरसरासरसायनताहितुरतमिलिजावै ॥ चमरछत्र
आदिकपूजाबहुगहिलोकबगुणगावै । जेहिसाधनशशि
मौलिमिलैंशिवसोइमेरेमनभावै १४९ करुणानिधिसुधि
मोरीकाहेकोबिसारी । मेरेतौऔरभरोसानाहींकेवलआ
शतुम्हारी ॥ काहुकेद्रव्यगर्वबहुतेरोकाहूबुधिबलभारी।
मोहिंअवलंबनामयकतेरोसांचीकहतपुकारी ॥ बाणासु
रभस्मासुरछलबलविदितत्रिलोकमँझारी । तिलभरि
तासुविलगनहिंमान्योदीन्ह्योमुक्तिहँकारी ॥ अधमउ
धारणअतरणतारणकहतसुरासुरझारी। बसौबेगिशशि
मौलिहृदयहरसहगिरिराजकुमारी १५० ॥ रेखता ॥ ज
पौनितनामकैलासी । जोचाहौआपदानासी ॥ उसीने
बिश्वपूराहै । जोवेदोंनेबिसूराहै ॥ उसीकायहजहूराहै ।
चराचरलाखचौरासी ॥ वहीघरबारहैसबका । वहीकर
तारहैसबका ॥ वहीआधारहैसबका।जहांलौंदेहअभ्या
सी॥ उसीकानामहैबेरा।जगतकेसिंधुमेंतेरा ॥हैखेवनहा

रसबकेरा। यतीगिरहस्थसंन्यासी ॥ वहीत्रैलोकबिस्तारन। वहीप्रतिपालकाकारन ॥ वहीफिरिसबकसंहारन। हैंजिसकीयहपुरीकासी ॥ मरेंकरिसबकिसेवकाई। करैतूकोटिचतुराई ॥ कहैंशशिमौलिसुनुभाई। बिनाशिवनहिंकटैफांसी १५१ शिवशिवरटतकटतभ्रमजाल। हटतशोकश्रमघटतदोषदुखमिटतमोहबिकराल ॥ जगतमहानदभरोबारिमदजन्ममरणद्वउकूल। लेतउबारिदासकहँतासोंकरगहाइनिजशूल ॥ पापनिशासमप्रबलक्रोधतमचितब्रह्मांडनिवास। लखिआरतजनत्रासकरततहँज्ञानमयंकप्रकास ॥ अघकृशानुज्योंधूमअबुधल्योंएकनपरतसुभाय। निजसेवकहितलागिकृपाजलताकहँदेतबुभाय ॥ करतरहेनितयुगनयुगनप्रतिदीननकोप्रतिपाल। कोशशिमौलिसांकरेगाढ़ेशिवसमदीनदयाल १५२ अरेमनकाहेकोफिरतभुलाना। शंकरनामजपतजीसोंनहिंहैपरपंचलुभाना ॥ कहँजलशायनशुचाअरुसंयमकहँतीरथअस्नाना। भवसागरसोंपारनहोइहैबिनगंगाधरध्याना ॥ कहँचन्द्रायणनेमचन्द्रजपचन्द्रपर्वकोदाना। चन्द्रमौलिकहँभजतनमूरखजेहिछबिचन्द्रलजाना ॥ समदरशीसमशीलसमरजितशमनशोकसंरनाना। कोशशिमौलिशंभुसमसमचितस्वामीसमरथआना १५३ मनसुमिरौसदात्रिपुरारी शिरसोहतजाकेइन्दुअमल। डमरूधरफरसापिनाकधरउरधरविषधरभारी ॥ करधरशूलजटागंगाधरविद्याधरसुनिझारी। धरतध्यानवाकोरूपविमल ॥ समदरशीसमशीलसमर

जितशमनसमूहसुरारी। हैंशशिमौलिसकलविधिसमर
थशंभुउमाशुभकारी॥सुखदसदावाकेचरणकमल १५४
शिवछबिछाइरहीचहुंओरन। देखोकरिविश्वासजितैतै ति
तकरतसफलसहजैदृगकोरन ॥ मेघनमेंशंकरहीकीद्यु
तिक्षणप्रतिनाचनचावतमोरन । पूर्णप्रभाकरमेंप्रका
शसोइअनिमिषदृगकरिदेतचकोरन॥ शोभासोइरतिप
तिमहँप्रबिशीकरतचराचरबशबरजोरन । तपतिमिरा
रितेजताहीतेहरतचकोरचिंताअतिघोरन॥ रजनीमेंसो
सुभगश्यामताकरतप्रमत्तरसिकरसचोरन । हैंशशिमौ
लिबस्तुजहँलौंजोशंकरकांतिबसीसबठोरन १५५ भ
जुभावसहितगिरिजागिरीश। जेहिपारनपावतअजअ
हीश॥ इतमुक्तामालनकोशृंगार। उतशंभुहृदयभुजगें
द्रहार॥ इतलसतविमलबेंदीलिलार । उतराजिरहो
रजनीशशीश॥ इतदिव्यदुकूलनकोप्रकास। उतबाघ
म्बरतनतेजरास॥ इतबिबिधबधूटिनकोबिलास। उत
शंभुसभासदसुरमुनीश॥ जगजननिजनकअबिचलअ
भेद। जपिजाहिभजतबहुबिषमखेल॥ शशिमौलिसदा
जेहिबदतवेद। सोइशैलसुताईशानईश १५६ मनमानै
एकोनहिंमानी। वेदपुराणप्रबीणनकीसिखसपनेहुंनहिं
उरआनी॥ सुतपितुकुलकुटुम्बपुरजनकीआशकरतअ
ज्ञानी।जाकेहाथजीविकासबकीतेहिनभजतहितजानी॥
लोभमोहछलबलबिग्रहमहँसुधिबुधिरहतलुभानी। जा
सोंहोतहानिइनसबकीताकीभक्तिभुलानी ॥ यहदेहीको
कौनभरोसोज्योंऊसरकोपानी। भरतबिलातथोरहीदिन

मेंताहिअमरपहिंचानी ॥ अजहुंचेतुकरुहेतहृदयबिच
शंकरअवघड़दानी । जबशशिमौलिचौथपनऐहैकरिहै
निपटगलानी १५७ शिवपुरबासकरनजोचाहै। तौअभा
तमानसपूजाबिधिबुधिनिर्मलनिरबाहै॥ बैठारैबाघम्बर
ऊपरपदप्रक्षालिलैजावै। अरघबहुरिमधुपर्कआचमनम
ज्जनबिमलकरावै॥ बस्त्राभरणगन्धपुष्पाक्षतधूपदीपक
रिदेवै। धरिनैवेद्यमध्यजलजलपुनिअँचवावनहितलेवै॥
पोंछिवदनबीराफलसंयुतधरैदक्षिणाआगे। करिकरदर्प
णअरपैपुनितेहिछत्रव्यजनअनुरागे॥ नीराजनपैकर्माक
रिपुनिजपगुरुमंत्रसमरपै। यहिजगमेंशशिमौलिमिलैसु
खअन्तसमयशंकरपै १५८ मनकरिहैकबलौंलरिकाई।
बीतेबीसवर्षबारहकेतेहुंनचीन्हेसाई ॥ जन्मतहीगेभूलि
जठरमहँजेजेपीड़ापाई । कौलकरारकियेजोताक्षणलेस
वहीविसराई ॥ ताहूपरदयालदानीशिवसगरेभूलभुला
ई। मातुकुचनपालनपोषणहितक्षीरछांछआधिकाई॥ क
रिदियोतोहिंसकलसंभ्रिनअरुप्रियप्राणनकीनाई । तव
हुंतोहिंतापैपूरबकीएकौउरनसमाई॥ जानअजानक्षमा
करशंकरसुधिबुधिहियप्रकटाई। मातुपितापुरजनप्रीतिम-
पुनिसगरीवस्तुचिन्हाई। कबहूंगोदकबहुंपालनपरकी
न्ह्योसेजसुहाई ॥ इमिदीन्ह्योविश्रामतिहूंपरमिटीनतु
वकुटिलाई। करिकरुणाकृपालताहूपरतेरीआशपुराई॥
हेरनहँसनउठनअरुबैठनबोलनसुननसिखाई १ लगो
चलनडोलनधावनतवजोरथोबालअथाई ॥ गारीमा
रुहासक्रीड़ारसउरपुरमेंसबछाई। करतलाजअपनेसिर

जेकीसिरजनहारसदाई॥असनबसनबाहनविद्याबुधिस
कलसिद्धिसौंपाई ।· यहमतिमंदजुवाचोरीमेंकरतअमि
तचतुराई ॥ सपन्योनामजपतनहिंशिवकोऔरकहौंक
हँताई । अन्नपराशनमूड़नछेदनसबबातेंबनिआई ॥
अबशशिमौलिसुमिरुशिवकोजोयशफैलैसबठाई १५९
जगमेंधृगतेरीनिपुणाई । मिटीनबानिचरणचलतेजोचि
तकीचंचलताई॥डाढ़ीमोछदियोकरतातोहिंबलविद्याम
नुसाई । शिवसुमिरणसंग्रामअवनिसोंभागेपीठिदिखा
ई ॥ उद्यमकाजकरतराजनकीनानाविधिस्यवकाई । गु
रुपितुमातुमहेशउमापदकबहुंनप्रीतिलगाई ॥ भ्राता
पितापुत्रपरिजनहितकरतफिरतठगहाई । जाकेहाथजी
विकासबकीताकीसुधिबिसराई ॥ भरैउदरपोषैकायानि
जकरिबहुकर्मकमाई । रक्षांकरैतासुजोतुवप्रभुतेहिनजप
तलवलाई ॥ बाहनबसनधामधरणीधनसुखसंपतिसमु
दाई । अंतसमयसंगीनहिंएकौआपअकेलेजाई॥तपती
रथजपयोगयज्ञव्रतसंयमनेमदृढ़ाई ॥ जोचहुसोकरिले
यहिअवसरफिरिनाहिंचलीउपाई ॥ दानदयासंतोषक्ष
माछबितेजप्रतापबड़ाई । भजिशिवकोशशिमौलिसुल
भसबयुवाअवस्थापाई १६० हैबिषतेकछुबाढ़िबुढ़ापा।बा
लकुमारयुवाबीतेभलचौथेपनप्रकटीतनतापा॥रदनबि
हीनबदनबाँबीसमकहतवचनविषधरजनुव्यापा । मणि
अनमोलनामशंकरकोतेहिनप्रकाशितराखतझांपा॥क
फघहरातखंखारतखांसतहेरतसुनिसबकोउरकांपा।आँ
खिनआंशुबहतव्याकुलचित धरतनधरिजकरतबिला

पा॥ खालभुराइगईकेंचुलिसीकालमुखोडेरानिजथापा। श्वासलेतत्वहहैंजनुआवैंअबकलुभेदरहानहिंढांपा॥ हितकीकहतबातजोकोईपरतनसुनिसमुभ्कतकुटिलग्रापा। तामसकरिकाँपतकटुवादीकाहूनिंदतकाहूशापा॥ इंद्रियशिथिलश्वेतशिरकेकचरँगपरोभोअंगढुरापा। उठिनहिंसकतनवलबैठनकोकरवटलेतबड़ीकठिनापा॥ सूभिनपरतपुकारतपुनिपुनिप्यासनमरतदुसहदुखदापा। सुतदारादुर्वचनसुनावतजसकीन्होतसभुगतोपापा॥ खाटपरेपाछितातदिवसनिशिगिरोआइयमकिंकरछापा। परीगाढ़यमजातिकहीनहिंतदपिनमोहमयागयोचापा॥ रहोसमयनहिंयोगयतनकोनहितपतीरथसत्यप्रतापा। हैशशिमौलिमतोयाहीअबकरियनिरंतरशंकरजापा १६१

जसतुमकीन्हामोरउबार। तैसोकौनदूसरोस्वामीकरीपतितउद्धार॥ संचितपापअनेकनताबशभरम्योंयोनिअपार। चौरासीसौंकाढ़िमनुजतनदीन्ह्योम्वहिंकरिप्यार॥ सोदीन्हीमिथ्यामेंखोईपरीयमनकीमार। दीन्होडारिनरकयोनिनमाफिरितुमलगेगुहारि॥ कर्मक्षेत्रक्षितिभरतखण्डमहँगृहकुलकीन्हबिचार। शुभनक्षत्रशुभजननिजठरमहँदीन्हमनुजअवतार॥ जठरआगिनिकेआँचबिकलमहँकीन्ह्योंकौलकरार। लेतरहेनवमासखबरितुमदिखरायोसंसार॥ जन्मतहीगयोभूलिव्यथासबसिरन्योमायाजार। मोहलोभनिद्राआलसरसलागोबढ़नबिकार॥ डसनमशकपटजीवकेशकृमिऔरसकलदुखद्वार। जानअजानअबलसबहीसोंरहेमोररख

वार ॥ रहैजैसप्रारब्धतैसहीलिगोहोनब्यवहार । ज्यों
ज्योंबढ़तबुद्धिबलाबेक्रमत्योंत्योंहोतलवार॥सुवनसुप्रेम
मानिपितुमातानिशिदिनकरतदुलार। अतिहीखेलकूद
मेंतत्परसेदनहासबिगार ॥ उतपालतपोषतपहिरावत
सबमिलिकरतशृंगार। इतमैंनिपुणजुआचोरमिंसबसों
गारीमार ॥बालापनइमिखेलिगवांयोतरुणीतरुणविहा
र। वृद्धबैसकफबातपित्तकेतापरमोहअपार ॥ रहीन
शक्तिउठनबैठनकीइन्द्रिनकीन्हजुहार। करियमानसंको
चशोचउरलागोखानपछार ॥ नहिंजपयोगयज्ञतपतीर
थनहिंकछुनेमअचार।चौथेपनशशिमौलिसबनकोशंक
रनामअधार १६२ शिवपदपूरणप्रेमपगैजो । पावैपर
मारथमुनिमारगमनदृढ़लगनलगैजो॥ करैवृषासनकी
सेवानितनामनेहउमगैजो । भरैभवनभंडारसकलसुख
अभिमतभावसँगैजो ॥ भजैभुजगभूषणकोनिशिदि
नदूषणठगनठगैजो । सजैनसंगसुविद्याताकरअनुभ
वरंगरँगैजो ॥ जपतपतीरथएकनसाधैअजपायोगजगै
जो। मिलहिंतुरतशशिमौलिउमापतिअधबिचपगनडु
गैजो १६३ रेशठसुमिरुशंकरचरन । बर्षिबर्षासरससु
खजलजगदुसहसंहरन॥लसतललितप्रकाशपगतल
तड़ितशोभाभरन।श्यामतापटपृष्ठकीपुनिनीलबारिदबर
न॥मगनमुनिमनमोरगणकोदेखिदृगअसमरन।कोय
लरपिकअनुमानसदगतिलगेकीरतिकरन॥ बीजबउशु
भकर्मसंतनक्षेत्रअन्तःकरन। भयोविवेकअंकुरसदलदु
इनेमअरुआचरन॥ शीलसतसंतोषशाखापुष्पप्रेमअ

नुसरन। भक्तिफलरसज्ञानसंयुतलागसोतरुफरन ॥ मुक्तस्वादिकदेखिखगवततक्योसुरद्विजनरन। सकैपहुँचिनरुँकैंअथबिचथकैंसुधिबुधिपरन ॥ हैसुलभशशिमौलिताकहँकहतसबकुलतरन। द्रवतजापरसुजनरक्षकदेवसरिशिरधरन १६४ भजुरेमनईशलोधौराको। कमलाकारचरणताकेदोउदेचिन्हाइचितभौराको ॥ सुतबितकुलकुटुम्बहितघरघरफिरतश्वानजिमिकौराको। तेसबनिजस्वारथकेसाथीअन्तसमैंसँगदौराको ॥अबलौंआंचएकनहिंलागीलेउराखिपतिगौराको। बेगिबचावपापपावकसोंयहितनबोझपतौराको ॥ संसारीसुखअरुज्ञानीसोंबैरख्यालअरुन्योराको। यहिसुखहितशशिमौलिफिरैंजनवेषवनायेस्योराको १६५ भजुभैरवभूतपतीको। रहेपापनएकरतीको ॥ उरसोहैमुंडनकोमाला। लसैंअंगभुजंगबिशाला ॥ धरिबेषबिकटबिकराला। गहेकरतोमरशकतीको ॥ भुजआठप्रबलबलभारी। कियश्वानअसितअसवारी॥ शशिमौलिसुजनहितकारी। जैसोपतिपारबतीको १६६ ॥

इतिश्रीशशिमौलिकृतशिवबिवाहसमाप्तम् ॥

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेख़ाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८८ ई० ॥